MPHIN/2021/83938

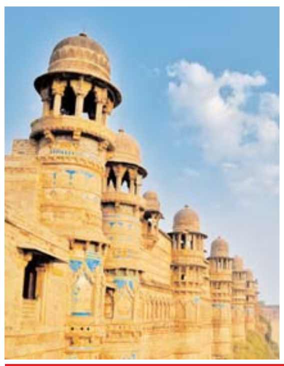

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 42 ग्वालियर,19 दिसम्बर मंगलवार 2023 पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

हवाई सेवा में ग्वालियर की ऊँची उड़ान

केंद्रीय मंत्री सिंधिया नये साल में देंगे शहर को एक और नई सौगात

ग्वालियर । विकास की राह पर तेजी से दौड़ रहे शहर में नये आयाम जुड़ते जा रहे हैं। नये साल में शहर को हवाई सेवा के क्षेत्र में भी एक नई सौगात मिलने जा रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री जब यह सौगात देंगे तब हवाई सेवा के क्षेत्र में ग्वालियर ऊँची उड़ान भरेगा।ग्वालियर में निरंतर बड़ती यात्री संख्या को ध्यान में रखते हुए एयर इंडिया एक्सप्रेस के सहयोग से ग्वालियर से दिल्ली और ग्वालियर से बेंगलुरू के लिए

के बीच नये वर्ष में नई उड़ान शुरू हो रही है। मकर संक्रांति के पर्व पर 14 जनवरी 2024 रविवार को इस नई सेवा का शुभारंभ होगा। इस हवाई सेवा के शुरू होने से ग्वालियर से बेंगलूरू जाने वालों को लिए सीधी फ्लाइट मिल सकेगी। इससे जहां यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी वहीं दोनों महानगरों से ग्वालियर का जुड़ाव और मजबूत होगा। साथ ही उद्योग, व्यापार, शिक्षा व रोजगार को बड़ावा मिलेगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्वयं अपने एक्स हैंडल पर सोमवार को पोस्ट कर यह जानकारी साझा की

पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित कराएँ कलेक्टर श्री सिंह

पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित कराएँ कलेक्टर श्री सिंह

ग्वालियर । सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा को गंभीरता से लें और पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं से लाभान्वित कराएँ। इसमें किसी भी प्रकार की ड़िलाई न हो। विभागीय अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उनके विभाग के माध्यम से संचालित केन्द्र सरकार की हितग्राहीमूलक योजना से कोई पात्र हितग्राही छूटे नहीं। इस आशय के निर्देश अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह ने दिए। बैठक में तानसेन समारोह और ग्वालियर व्यापार मेला की तैयारियों की समीक्षा भी की गई। साथ ही हाल ही में सम्पन्न हुए विधानसभा आम निर्वाचन के अनुभव भी अधिकारियों ने साझा किए। सोमवार को यहाँ जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्री सिंह

तानसेन समारोह व मेले की तैयारियों की भी हुई समीक्षा

हाल ही में सम्पन्न हुए विधानसभा आम निर्वाचन के अनुभव भी साझा किए गए

संक्षिप्त समाचार

तानसेन समारोह की स्थानीय समिति की बैठक 19 दिसम्बर को

ग्वालियरःतानसेन समारोह आयोजन की स्थानीय समिति की बैठक 19 दिसम्बर को बुलाई गई है। इस दिन यह बैठक दोपहर 12 बजे जिला पंचायत के सभागार में आयोजित होगी। स्थानीय समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है। ज्ञात हो राज्य शासन के संस्कृति विभाग द्वारा 24 से 28 दिसम्बर तक संगीत की नगरी ग्वालियर तानसेन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह के तहत 22 दिसम्बर को ÷तानसेन संगीत महफिल÷ और 23 दिसम्बर को पूर्व रंग ÷गमक÷ का भी आयोजन होगा।

दिल्ली में एक और हिट और रन का मामला, टक्कर मार कर बोनट पर घसीटा, वीडियो वायरल

राजधानी दिल्ली से एक बार फिर से गाड़ी से हिट करने और फिर उसे गाड़ी के बोनट पर दूर तक घसीट कर ले जाने का मामला सामने आया है. हालांकि, इस मामले में टक्कर लगने वाले युवक को न तो चोटें आई और न ही इस मामले में कोई लिखित शिकायत दी गई है. लेकिन इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस पीड़ित युवक से संपर्क कर आगे की कानूनी कार्रवाई की कोशिश कर रही है.

गाड़ी से टक्कर मार युवक को दूर तक घसीटा–मामला 17 दिसंबर यानी रविवार की रात 11ः27 बजे का है, जब लाजपत नगर थाने की पुलिस को ट्रांसफर पीसीआर कॉल से एक युवक को एक वाहन द्वारा टक्कर मार जाने की सूचना प्राप्त हुई थी. कॉलर ने बताया कि डीएनडी फ्लाईओवर के रास्ते लाजपत नगर से नोएडा जाने के दौरान एक वाहन चालक ने लाजपत नगर इलाके में उसे टक्कर मार दी. जिससे वह उछल कर वाहन के बोनट पर आ गया और वाहन चालक उसे घसीट कर डीएनडी फ्लाईओवर तक लेकर गया. पीसीआर कॉल से प्राप्त इस सूचना पर कार्रवाई के यह कॉल हेड कॉन्स्टेबल दिनेश को सौंपी गई. जब उन्होंने दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करने वाले से संपर्क किया, तो कॉलर ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में है और शिकायत करने के लिए वापस नहीं आ सकता.

ब्रह्मेश्वर मुखिया से ना संबंध ना दुश्मनी, कहते हुए चिराग की पार्टी से हुलास पांडेय ने दिया इस्तीफा

पटनाः साल 2012 में ब्रह्मेश्वर मुखिया की हत्या हुई थी. इस मामले में सीबीआई की अदालत ने चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष सह पूर्व विधान पार्षद हुलास पांडेयको आरोपी बनाया है. आरोप लगने के बाद हुलास पांडेय ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अपनी बात रखी और इस्तीफा दे दिया.

हुलास पांडेय ने कहा कि जब हमें आरोपी बनाया गया है तो पार्टी के पद पर रहना उचित नहीं है इसलिए हमने अपने पद संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष से इस्तीफा दे दिया है. पत्र अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को भेज दिया है. हालांकि चिराग पासवान ने इस्तीफा मंजूर किया है या नहीं इसको लेकर उनकी तरफ से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है.ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड को लेकर हुलास पांडेय ने कहा कि इस मामले में मैं दूर-दूर तक कहीं कुछ नहीं हूं. इसके बारे में मुझे कोई जानकारी भी नहीं है. ब्रह्मेश्वर मुखिया से ना तो मेरा कोई कभी संबंध रहा है ना कोई दुश्मनी रही है. इसमें मेरा नाम शामिल किया गया है. मुख्य रूप से राजनीति के तहत प्रतिशोध दिख रहा है. इसमें सीबीआई के एक दो अधिकारी शामिल हैं जिनकी वजह से मेरा नाम शामिल करके आरोपी बनाया गया है. उन्होंने कहा कि 10 लाख रुपया देकर तो गवाह बनाया जा सकता है. बिहार में बहुत बेरोजगारी है. 10 लाख रुपये के लिए कोई कुछ भी कर सकता है.

जेयू:ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला में विकसित भारत पर परिचर्चा कल

ग्वालियर। ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला के अन्तर्गत विकसित भारत,2047 युवाओं की आवाज विषय पर अध्ययनशाला में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के मध्य परिचर्चा का आयोजन कल दिनांक 19 दिसंबर मंगलवार को किया जाएगा।कार्यकम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो.जे.एन.गौतम द्वारा की जाएगी। परिचर्चा में कला संकायाध्यक्ष प्रो.हेमन्त शर्मा,विभाग के शिक्षक,शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहेगें। इस परिचर्चा में माय गवर्नमेंट.इन पोर्टल के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया जाएगा साथ ही देश के विकास में छात्रों को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।छात्र-छात्राओं द्वारा दिए गए विचारों पर विचारविमर्श होगा।

कांग्रेस आलाकमान के साथ यूपी के नेताओं ने किया मंथन, मिशन-24 के लिए खरगे ने दिया मंत्र

देश में होने वाले अगले लोकसभा चुनाव में ज्यादा समय नहीं बचा है. जिसे देखते सभी पार्टियां तैयारियों में जुटी हुई हैं. अपने-अपने संगठन को मजबूत करने के लिए सभी दलों में लगातार बैठकों का दौर चल रहा है. इसी क्रम में सोमवार (18 दिसंबर) को यूपी कांग्रेस की आलाकमान के साथ अहम बैठक हुई है. इस बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई है. इस मीटिंग के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उत्तर प्रदेश से जुड़ी महत्वपूर्ण बैठक हुई. इस बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का संगठन कैसे मजबूत हो, इस विषय में विचार-विमर्श किया गया है

विपक्ष का मिला साथ, निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुने जाएंगे नरेन्द्र तोमर, 20 दिसंबर को होगा चयन

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव और दो डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेन्द्र शुक्ल के शपथ ग्रहण के बाद अब विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की तैयारी है. बीजेपी विधायक दल की बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष के लिए नरेन्द्र सिंह तोमर का नाम प्रस्तावित किया गया है. बताया जा रहा है कि नरेन्द्र सिंह तोमर को विपक्षी पार्टी कांग्रेस का भी साथ मिल गया है, ऐसे में नरेन्द्र सिंह तोमर निर्विरोध ही विधानसभा अध्यक्ष चुने जाएंगे.विधानसभा अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया 20 दिसंबर को होगी. इससे पहले ही प्रदेश के मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष के रूप में नरेन्द्र सिंह तोमर का अपना समर्थन दे दिया है, ऐसे में अब नरेन्द्र सिंह तोमर निर्विरोध ही विधानसभा अध्यक्ष चुने जाएंगे. बता दें कि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी को जहां 163 सीटें मिली, तो वहीं कांग्रेस को 66 सीटों से ही संतोष करना पड़ा.दिमनी से चुनाव जीते नरेन्द्र सिंह तोमरबता दें विधानसभा चुनाव से पहले नरेन्द्र सिंह तोमर केंद्रीय मंत्री थे, लेकिन विधानसभा चुनाव में बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने अन्य केन्द्रीय मंत्री व सांसदों के साथ तोमर को भी दिमनी विधानसभा सीट से अपना प्रत्याशी बनाया था. चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी रहे तोमर ने कांग्रेस प्रत्याशी को हराकर जीत दर्ज की है. अब नरेन्द्र सिंह तोमर प्रदेश में विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका में रहेंगे.उपाध्यक्ष पद पर सस्पेंस बरकरारअब देखना यह होगा कि मध्य प्रदेश विधानसभा में उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को मिलेगा या नहीं, इसको लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है. दरअसल, 15वीं विधानसभा में अध्यक्ष के निर्वाचन के समय कांग्रेस और बीजेपी के बीच मतभेद हो गए थे

मोहन यादव सरकार का बड़ा फैसला, प्रशांत सिंह फिर बनाये गये मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता

मध्य प्रदेश में मोहन यादव की सरकार ने मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता पद पर प्रशांत सिंह की नियुक्ति की है. इसका आदेश आज सोमवार (18 दिसम्बर) को मध्य प्रदेश शासन के विधि और विधायी कार्य विभाग के सचिव उमेश पांडव ने जारी किया. प्रशांत सिंह को इसके पहले शिवराज सरकार ने भी महाधिवक्ता नियुक्त किया गया था. प्रशांत सिंह पूर्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी रह चुके है. कहा जा रहा है कि रिट, सिविल, क्रिमनल, टैक्स व संवैधानिक सहित सभी तरह की वकालत में समान रूप से महारत रखने के कारण प्रशांत सिंह महाधिवक्ता नामांकित किए गए हैं.उल्लेखनीय है कि प्रशांत सिंह को पूर्व में 13 अक्टूबर, 2021 को मध्यप्रदेश का महाधिवक्ता नियुक्त किया गया था.

इससे पूर्व वे अतिरिक्त महाधिवक्ता पद की जिम्मेदारी संभाल चुके थे.अब एक बार फिर भाजपा सरकार ने प्रशांत सिंह पर भरोसा जताते हुए उन्हें राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त कर दिया है. वे मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के साथ सुप्रीम कोर्ट में भी राज्य सरकार की ओर से सभी मामलों में पैरवी करेंगे.चर्चा है कि जल्द ही राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता, उप महाधिवक्ता और सरकारी वकीलों के नाम का भी ऐलान कर दिया जाएगा.यहां बताते चलें कि प्रशांत सिंह ने 1992 में पूर्व महाधिवक्ता रविनंदन सिंह के मार्गदर्शन में वकालत की शुरुआत की थी. प्रशांत सिंह ने 1996 से स्वतंत्र वकालत का आगाज किया था.आगे चलकर अतिरिक्त महाधिवक्ता बनाए गए. उन्होंने बाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प महाशिविर की जिम्मेदारी निभाने के कारण इस पद से इस्तीफा दे दिया था.विश्व हिंदू परिषद व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में कई महत्वपूर्ण दायित्व निभाने की के कारण प्रशांत सिंह को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महाकोशल प्रांत के संघ चालक का पद दिया गया था

रेप आखिर रेप है, चाहे पति ने ही क्यों न किया हो गुजरात हाईकोर्ट ने कहा- चुप्पी तोड़ने की जरूरत

गुजरात हाईकोर्ट ने कहा है कि रेप आखिर रेप होता है, भले ही यह किसी पुरुष की ओर से अपनी पत्नी के साथ ही क्यों न किया गया हो. कोर्ट ने कहा कि भारत में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा पर कायम चुप्पी को तोड़ने की जरूरत है. हाल में में दिए गए एक आदेश में, जस्टिस दिव्येश जोशी ने कहा कि भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की वास्तविक घटनाएं सामने आने वाले आंकड़ों से संभवतः कहीं अधिक हैं.आदेश में कहा गया कि पीछा करने, छेड़छाड़, मौखिक और शारीरिक हमले जैसी कुछ चीजों को समाज में आम तौर पर %मामूली% अपराध के रूप में चित्रित किया जाता है

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेशानुसार डबरा देहात थाना प्रभारी सुरजीत सिंह परमार की सक्रिय कार्रवाई खुले में मास बेचने वालों को दी चेतावनी

बाजारों में भ्रमण कर ध्वनि विस्तारक यंत्र उतरवाकर बाजार व्यवस्था को भी देखा

ग्वालियर। डबरा देहात थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुरजीत सिंह परमार ने मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार खुले में मांस बेचने वालो को चेतावनी देकर कहा कि खुले में मांस ना बेचें अन्यथा आपके खिलाफ कार्रवाई की जावेगी उन्होंने जहां आमजन को शासन के नियम समझाकर धार्मिक स्थलों से ध्वनि विस्तारक यंत्र भी उतरवाये इसी क्रम में उनके द्वारा भितरवार रोड एवं चीनोर रोड पर बाजार व्यवस्था को देखा ग्राम सलवाई मे हनुमान मंदिर पर लगे लाउडस्पीकर व ग्राम सलवाई में मस्जिद में लगे साउड स्पीकर स्वेच्छा पूर्वक हटा लिए।इसी क्रम गए ग्राम मिलघन में लाउड स्पीकर हटाए व बरेठा

मस्जिद पर स्वयं लोगों के द्वारा साउंड स्पीकर स्वेच्छा से हटा लिए गए ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा आदेश दिया गया था कि खुले में मांस बेचने ओर धार्मिक स्थलों पर लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों को बंद कराया जाए शासन के आदेशों का पालन करते हुए डबरा देहात थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुरजीत सिंह परमार द्वारा अपनी टीम के साथ अपने क्षेत्र का भ्रमण किया जिसमें कई जगह खुले में मांस बेच रहे दुकानदारों को चेतावनी दी और कहा कि आगे से आप खुले में मांस नहीं भेज सकते अन्यथा आपके खिलाफ कार्रवाई की जावेगी इसके बाद अन्य बाजारों का भ्रमण कर बाजार की व्यवस्था को भी देखा

वरिष्ठ भाजपा नेता सीताराम यादव ने पिछड़ा वर्ग आयोग का कार्यभार ग्रहण किया

सीहोर। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में आज सदस्य (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) के रूप में सीहोर के वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष श्री सीताराम यादव ने कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया भी मौजूद थे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री यादव ने आयोग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का परिचय प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने आयोग की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। गौरतलब है कि आयोग मुख्य रूप से सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग जातियों की सूची में जातियों को जोड़ने और विलोपित करने की अनुशंसा राज्य शासन को प्रेषित करता है। श्री यादव की इस उपलब्धि पर नगर के अनेक लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

सीरवी समाज झूँठा गांव ने दीपावली स्नेह मिलन धूम-धाम से मनाया

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू । सीरवी समाज झूँठा बैंगलौर कर्नाटक का दीपावली का द्वितीय स्नेह मिलन समारोह सीरवी समाज सुकंतकट्टे आईमाता वडेर प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम आईमाता आरती व दीप प्रज्वलित कर,कार्यक्रम का प्रांरभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे स्वामी पुखराज महाराज का समाज की ओर से गाजे बाजे व पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। स्वामी पुखराज ने प्रवचन में कहा कि हर एक व्यक्ति को गौसेवा व धर्म कार्य में जुडना चाहिए। उन्होंने उपस्थित भक्तों से आह्वान किया कि अपने बच्चों को भौतिक सुविधाओं तथा कार बंगले के साथ संस्कार वान शिक्षा जरूर देवें। जो आने वाली सातों पींढ़िया का कल्याण करती है।हमारे बच्चों को श्रीराम जैसा आज्ञाकारी बेटा व एक अच्छा संस्कार

वान व्यक्ति बनाना है तो बच्चों को संस्कारवान शिक्षा देना आज की मांग है। स्वामी ने कहा की विपरित परिस्थितियों में हमें कैसे रहना है कैसे नही रहे। यह सब हमें हमारी भारतीय संस्कृति सिखाती है। इस कार्यक्रम में क्षेत्र से अन्य वडेरो से पधारे पदाधिकारीयों का माला साफा द्वारा सम्मान किया गया। अध्यक्ष पूनाराम हाम्बड़ ने दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर सचिव मंगलाराम हाम्बड़, कोषाध्यक्ष सुरेश हाम्बड, पेमाराम राठौड़, नोरतमल दीपाराम, लिखमाराम, मांगीलाल बगदाराम सेपटा, मंगलाराम सेपटा मोहन सीरवी नारायण लाल सेपटा गेनाराम लेरचा भोलाराम दानाराम बालूराम चेलाराम रामलाल सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे। समाज की ओर से स्वामी पुखराज महाराज का माला साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में श्री गोपाल गौ शाला झूँठा के अध्यक्ष श्री गोकुल राम जी कुमावत पधारे उनका भी स्वागत किया और गौ दान दिया समाज बन्दुओं ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी तथा सभी ने समाज को जागरूक और एकता रखने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में सपरिवार जनों ने प्रसादी ग्रहण की। मंच संचालन मोहन सीरवी ने किया।

मुनि राजपद्मसागरजी का आगामी 2024 का चातुर्मास चामराजपेट शीतल नाथ जैन मंदिर में

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। मुनि राजपद्मसागरजी मुनि श्रमणपद्मसागर जी की पावन मिश्रा में आज श्री शीतलनाथ श्वेतांबर मंदिर की आज ध्वजारोहण प्रसंग पर अनेक श्रद्धालु परमात्मा की जय जयकार बुलाते हुए श्री शीतल नाथ दादा की ध्वजा लहराई मुनि राजपद्मसागरजी महाराज साहब ने बहुत ही सुंदर तरीके से परमात्मा की भक्ति का अर्थ समझाते हुए कहा की तीर्थंकर परमात्मा की भक्ति करने से तीर्थंकर नामकरण उपार्जन करते हैं। जिस प्रकार रावण ने परमात्मा की अष्टापद तीर्थ पर भक्ति की थी और उन्होंने तीर्थंकर नाम कर्मो उपार्जन किया था वैसे ही जिस प्रकार से सत्तरभेदी पूजा के अंदर नवमी पूजा में ध्वज पूजा बतलाई है और ध्वजपूजा करते-करते जिस प्रकार ध्वज चारों दिशा के अंदर लहराती है। इस प्रकार अपना जीवन भी उत्तरोत्तर आगे बढ़ता है और यश नाम कर्म बंद होता है और आज मुनि राजपद्मसागरजी एवं मुनि श्रमणपद्मसागरजी की आगामी 2024 का चातुर्मास श्री शीतल नाथ जैन मंदिर ट्रस्ट में चामराजपेट में उद्घोषणा की।

रोजगार मेले का आयोजन 21 दिसम्बर को

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । आत्मनिर्भर म.प्र.निर्माण के अन्तर्गत रोजगार मेले का आयोजन 21 दिसम्बर 2023 को जिला रोजगार कार्यालय भिण्ड किला परिसर भिण्ड में प्रातः11 बजे से सायं 4 बजे तक में किया जा रहा है। जिसमें बेरोजगार युवको/ युवतियों की भर्ती हेतु 5 कंपनियों द्वारा भाग की जावेगी।जिला रोजगार अधिकारी भिण्ड ने बताया कि रोजगार मेले जेव्ही मंघाराम फूड प्रा.लि.ग्वालियर डीएम किएशन प्रा.लि.नोयडा, शिवशक्ति एग्रीटेट लि.मि.गुजरात, भारतीय जीवन निगम भिण्ड एवं गेल इण्डिया लि.मि. राधौगढ गुना, ट्रेनीवकर्स सेल्समेन, डब्ल्पमेंट ऑफीसर आदि की भर्तियां करेगी। जिसके लिए विभिन्न कंपनियों द्वारा अलग-अलग 9825 से 15500 तक स्टाफन्ड दिया जाएगा। इच्छुक बैरोजगार युवक एवं युवतियां 10वीं, 12वीं आईटीआई एवं स्नातक उत्तीर्ण जिनकी उम्र 18 वर्ष से 35 वर्ष तक है। विभिन्न कंपनियों में भर्ती हेतु भाग ले सकते है।

कलेक्टर आज जनपद रौन में करेंगे जनसुनवाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर संजीव कुमार श्रीवास्तव जिले की तहसीलों में जाकर जनसुनवाई करने के कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को रौन में जनसुनवाई करेंगे। जिसके अंतर्गत 19 दिसम्बर मंगलवार की जनसुनवाई रौन जनपद कार्यालय में 11 बजे से होगी। इस जनसुनवाई में तहसील स्तरीय सभी अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इसी के साथ जिला स्तरीय जनसुनवाई कलेक्टर कार्यालय भिण्ड में आयोजित की जाएगी।

खरगोन नपा ने 50 किलो अवैध मीट जब्त किया

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

आज 18 दिसंबर को मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार खरगोन मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री एमआर निंगवाल ने टीम के साथ शहर में अवैध रूप से मीट बेचने वाले दुकानों पर कार्यवाही की है। यह कार्यवाही शहर के कालादेवल मार्केट और मछली मार्केट में की है। कार्यवाही के दौरान उन्होंने मौके से 50 किलो मटन जप्त की है।

चम्पा पष्टी पर गूंजा जय मल्हारक्षत्रिय मराठा समाज द्वारा मनाया गया अपने आराध्य का पर्व

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

खरगोन। क्षत्रिय मराठा समाज द्वारा सोमवार को चम्पा पष्ठी पर्व मनाया गया। इसमें समाजजनों ने सुबह काला देवल मार्ग स्थित मल्हारी मार्तण्ड मंदिर में सामूहिक तली भंडारा किया। समाज के वरिष्ठ विनोदराव सकुण्डे, अनिल ओघले, संजयराव कदम, अनिल जाधव, अमित दलवे आदि ने बताया कि सुबह विशेष पूजा की गई। वहीं करीब 10.30 बजे समाजजनों द्वारा सामूहिक तली भंडारा किया गया। वहीं शाम को महाआरती की गई। विशेष प्रसादी का वितरण किया गया वहीं समाजजनों ने एक दूसरे को हल्दी (भंडारा) लगाकर बधाईयां दी व सभी के मंगल की कामना भी की गई। इस दौरान ठीकरी में मल्हारी मार्तंड की

पारंपरिक गाडा खिंचाई कार्यक्रम प्रमुख एडुजी यादव, पंडित सतीश भटोरे, समाज महिला ईकाई की स्नेहलता लांडगे, हेमलता कदम, इंदिरा मोरे समाज वरिष्ठगण रमेश पंवार, सुरेन्द्रराव सोनोने, प्रकाश अव्हाड, युवा प्रकोष्ठ के सुनिल दलवे, ओमित कोकणे, दीपक मराठा, धवल वाघ, गोपाल गोमटे, पल्लव कदम, गोपालराव जाधव, सचिन मराठा (मोरे) शुभम पाटील आदि मौजूद थे।

भगवान शिव का अवतार हैं मल्हारी मार्तंड

समाज वरिष्ठ अनिलराव कोकणे ने बताया कि क्षत्रिय मराठा समाजजनों ने बताया कि भगवान मल्हारी मार्तंड भगवान शिव के अवतार हैं। उनके अवतार खंडेराव द्वारा मल्ल असुर का वध करने पर उनका नाम मल्हारी मार्तंड भी है। मान्यता है कि चम्पा पष्ठी पर्व भी इसलिए मनाया जाता है। इस दिन बाजरे की भाखरी (रोटी), बैंगन भर्ता, हल्दी आदि के विशेष भोग का विधान भी है। वहीं इस पर्व व भोग का वैज्ञानिक महत्व भी बताया गया है। भगवान मल्हारी मार्तंड की कृपा के लिए विवाह आदि में गोंधल का कार्यक्रम भी किया जाता है। भगवान मल्हारी मार्तंड के जीवन परिचय पर कई चलचित्रों का भी निर्माण किया जा चुका ह

19 दिसंबर को जिले की इन ग्राम पंचायतों में लगेंगे शिविर

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

केन्द्र सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए 19 दिसंबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले की 22 ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर खरगोन जनपद की ग्राम पंचायत साईखेड़ा और डोंगरगांव में, बड़वाह जनपद की ग्राम पंचायत मेहंदीखेड़ा और बड़ेल में, कसरावद जनपद के ग्राम साटकूर और पथोरा में, महेश्वर के ग्राम मेलखेड़ी और सेल में, भीकनगांव जनपद के सुर्वा कोयड़ा और सतवाड़ा में, गोगावां जनपद के ग्राम कोठा खुर्द और कोठा बुजुर्ग में, सेगांव जनपद के ग्राम सांगवी और पनवाड़ा में, भगवानपुरा जनपद के ग्राम काबरी में वन चौकी परिसर में और भुलवान्या ग्राम पंचायत में, सनावद सर्कल के ग्राम बांगरदा और कोटल्याखेड़ी में तथा झिरन्या जनपद के ग्राम पुनासला और पिपरखेड़ नाका में तथा पिपलगोन सर्कल के ग्राम लैपा एवं भट्याणबुजुर्ग में शिविर आयोजित होंगे।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

आज 18 दिसंबर को कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में समय सीमा (टीएल) बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़ एवं श्री जेएस बघेल, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रतापसिंह अगास्या, सहित समस्त जिला अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त होने वाले प्रकरणों का निराकरण करने के लिए मिशन मोड में कार्य करें और जिले की रैंक सुधारें। महिला बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रत्ना शर्मा को निर्देशित किया कि प्रत्येक विकासखण्ड पर प्रत्येक सुपरवाईजर को 20 प्रकरण सौंपे जाकर निराकरण कराएं। जनजातीय विभाग में अनुकम्पा प्रकरण में रिक्त पद उपलब्ध नहीं होने पर राज्य स्तर पर विभाग को सूचित करें। जिला स्तर पर प्रत्येक विभाग अपने सीएम हेल्पलाइन के नोडल अधिकारी को सूचित कर उक्त शिकायतों का शीघ्र निराकरण कराएं। साथ ही विकसित भारत संकल्प यात्रा के सुचारू रूप से क्रियान्वयन के लिए समस्त जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इन उक्त कैम्पों में महिलाएं और हितग्राही अधिक से अधिक लाभ लेवें। स्वास्थ्य विभाग के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि इन कैम्पों में अधिक से अधिक हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएं। समस्त बीएमओ को निर्देशित किया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित शिविरों में प्रत्येक कैम्प के साथ स्वास्थ विभाग का अमला अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।

प्रशासन का विकेंद्रीकरण होगा - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए होगी प्रशिक्षण की व्यवस्था

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जारी जनकल्याण और विकास की योजनाओं का क्रियान्वयन हमारी डबल इंजन की सरकार निरंतर प्रभावी रूप से कर रही है। विधानसभा निर्वाचन 2023 में प्रदेशवासियों ने विकास के प्रति जो विश्वास व्यक्त किया है, उससे संवैधानिक संस्थाओं का मान और विश्वास बड़ा है। हमारा प्रयास है कि प्रशासन का विकेंद्रीकरण हो, अर्थात जिले पर जिला स्तरीय इकाई, संभाग पर संभाग स्तरीय इकाई और प्रदेश स्तर पर प्रदेश स्तरीय इकाई, विकास गतिविधियों के धरातल पर क्रियान्वयन में नीचे अपना श्रेष्ठतम योगदान दें। नवनिर्वाचित विधायक और मंत्रिपरिषद के सदस्य अपनी भूमिका अधिक प्रभावी तरीके से निभा सकें, इसके लिए उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीअन्न (मोटे अनाज) के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में व्यापक अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश में सांस्कृतिक अभ्युत्थान का पर्व चल रहा है। हम भगवान बाबा महाकाल के साथ-साथ ओरछा, सलकनपुर और मैहर में महालोक निर्माण के लिये रोड मैप बना रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया का स्वागत करते हुए मीडिया से अपेक्षा की कि मीडिया प्रतिनिधि रचनात्मक व सृजनात्मक भूमिका निभाएंगे तथा विकास और प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपना सकारात्मक योगदान देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश विधानसभा परिसर में मीडिया के प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा समृद्ध विधायक समूह निर्वाचित होकर आया है, जन कल्याण और विकास को समर्पित मंत्रिमंडल का शीघ्र ही गठन किया जाएगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में उपस्थित रहें विकासखंड स्तर के अधिकारी

सीएम हेल्पलाईन के प्रतिदिन के निराकरण की दें जानकारी- कलेक्टर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक संपन्न

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। निश्चित रूट चार्ट के अनुसार एक दिन में प्रचार रथ प्रति विकासखंड में दो ग्राम पंचायतों में पहुंचेंगे और कार्यक्रम होगा। सभी विभागों के तहसील और विकासखंड स्तर के अधिकारी इन कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी दें तथा प्राप्त समस्याओं को निराकरण भी करें। सोमवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की और ग्रेडिंग में सुधार लाने की हिदायत भी दी। इस मौके पर अपर कलेक्टर ऋषि पवार, आयुक्त नगर निगम अभिषेक गहलोत, एसडीएम नीरज खरे, एसके गुप्ता, आरएन खरे, सुधीर बैक सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। जिले में चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कार्यक्रम की मॉनिटरिंग केंद्र सरकार और उच्च स्तर पर की जा रही है। हर ब्लॉक में प्रतिदिन दो कैंप होंगे। इन कैंपों में विकासखंड स्तर के अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। संकल्प यात्रा के गांव में पहुंचने पर उत्साहपूर्ण माहौल में स्वागत हो और कल्याणकारी योजनाओं के वंचित हितग्राहियों को लाभान्वित करने चिन्हांकन भी करें। उन्होंने कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत कंपनी, खाद्य एवं आपूर्ति, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य, बैंकर्स, महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग के अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि चुनाव कार्य की व्यस्तता के दौरान पर्याप्त समय नहीं देने से विभागों की सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की संख्या अत्यंत बड़ी है। पिछले हफ्ते लंबित शिकायतों की संख्या कुल 22 हजार 94 थी। जिसमें एक सप्ताह में 1040 शिकायतों में कमी लाकर 21 हजार 54 शिकायतें

इस हफ्ते लंबित पाई गई हैं। इनमें सर्वाधिक 5324 राजस्व, 1897 पीएचई, 1722 महिला बाल विकास, 1589 ऊर्जा विभाग और 1491 पुलिस विभाग की लंबित हैं। लगभग 19 हजार 500 शिकायतें 50 दिवस से ऊपर की लंबित हैं। शिकायतों का तेजी से निराकरण करें और संतुष्टिपूर्ण निराकरण का प्रतिशत बड़ायें। 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों पर फोकस कर अपने विभाग की ग्रेडिंग सुधारें। अगली बैठक से शिकायतों के निराकरण में गति नहीं आने पर

जुर्माना लगाया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग, कार्यालय प्रमुख प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन के निराकरण की स्थिति प्रशासन के ग्रुप में शेयर करेंगे। जल जीवन मिशन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि आंगनबाड़ी और स्कूलों में खराब रिपोर्टेड नल कनेक्शन का सुधार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कराये। सतना-बाणसागर सामूहिक ग्रामीण जलप्रदाय योजना की समीक्षा में बताया गया कि इंटेकवेल से तीन पंपों द्वारा जलावर्धन डब्ल्यूएचटीपी में किया जा रहा है। 54 गांवों में सप्लाई दी जा रही है। अब तक 124 टंकियां कंप्लीट कर ली गई हैं। 94 अप्रारंभ टंकियों का कार्य शुरू किया जा रहा है। खाद्यान्न वितरण की समीक्षा में बताया गया कि नवंबर माह का खाद्यान्न 88 प्रतिशत वितरण हुआ है। हितग्राहियों की मोबाइल सीडिंग का कार्य 81 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। इस माह से हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने मोबाइल नंबर सीडिंग अनिवार्य किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा में सबसे खराब प्रदर्शन चित्रकूट नगर पंचायत का रहा। यहां 910 स्वीकृत आवासों में से 511 पूर्ण किए गए हैं। जबकि नगर पंचायत नागौद ने स्वीकृत 1015 आवासों में से 936 पूर्ण कर लिए हैं। कोर्ट में लंबित याचिकाओं और अवमानना के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सुनिश्चित करें कि विभाग के प्रस्तुतकर्ता अधिकारी समय पर जवाब-दावा प्रस्तुत करें। यह जवाबदेही संबंधित विभाग की होगी। जिले में कुल 953 डब्ल्यूपी याचिकायें और 67 प्रकरण अवमानना के लंबित हैं। समय-सीमा प्रकरणों के संधारण के उत्तरा पोर्टल का परिवर्तन जन आकांक्षा पोर्टल में किए जाने के फलस्वरुप नवीन पोर्टल को अपडेट करने संबंधी जानकारी कार्यालय प्रमुखों को दी गई। आईटीआई, आदिम जाति कल्याण, जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों ने बिजली विभाग से संबंधित समस्याएं भी बैठक में रखीं। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने अधीक्षण यंत्री विद्युत कंपनी को कहा कि किसी भी शासकीय विभाग का विद्युत कनेक्शन काटने के पूर्व विभाग प्रमुख को जानकारी अवश्य दें। विद्युत देयक की राशि जमा नहीं होने के सत्यापन करने के बाद ही विद्युत कनेक्शन के काटने की कार्यवाही करें।

सैनिक कल्याण को मिले माइक्रोस्कोप एवं आटो ऑनलाईनर

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना जिला सैनिक कल्याण सतना द्वारा दिसंबर माह के सम्मेलन में सोमवार को सतना जिले में डेंटल चेयर की मांग को देखते हुए जीओसी एमबी एरिया जबलपुर के माध्यम से हेमाटोलॉजी ऑटो ऑनलाइनर तथा माइक्रोस्कोप की सुविधा सैनिकों एवं उनके परिजनों को उपलब्ध कराई गई। सैनिक कल्याण सम्मेलन की बैठक में ब्रिगेडियर देवेंद्र सिंह, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी, ले. कर्नल एसएन यादव ने पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निराकरण किया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से मिल रहा है हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ

मैहर जिले के ग्रामों में प्रचार रथ से किया गया योजनाओ का प्रचार

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना /मैहर जिले के सभी नगरीय निकायों और ग्रामीण निकायों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रचार रथ के माध्यम से आमजनों को केंद्र और राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को बताया जा रहा है। सोमवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रचार वाहन मैहर जिले के ग्राम धनेड़ीखुर्द, बिनैका, किरहाई, इटमाकोठार, सुलखमा और नादो में पहुंचा और एलईडी स्क्रीन पर शासन की विभिन्न योजनाओं के चलचित्र प्रदर्शित करते हुये योजनाओं से ग्रामीणवासियों को अवगत कराया। अमरपाटन विकासखंड के ग्राम किरहाई और इटमाकोठार के विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री रामखेलवान पटेल भी शामिल हुये। उन्होने केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को बताते हुये कहा कि सरकार द्वारा लोगों के जीवन में खुशहाली लाने के लिये हर संभव प्रयास कर रही है। इस उद्देश्य से सरकार द्वारा ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ शुरू की गई है।

संकल्प यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी वाली गाड़ी योजनाओं का लाभ देने गाँव-गाँव और शहर-शहर पहुँच रही है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि कोई गरीब मूलभूत सुविधाओं से वंचित ना रहे, हर गरीब के जीवन में भी खुशियां आएं। इसलिए केन्द्र सरकार द्वारा पीएम आवास, उज्जवला और आयुष्मान भारत जैसी अनेक गरीब कल्याण आधारित योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि 'हमारी सरकार गरीबों को समर्पित सरकार है'। इसलिए हर गरीब के जीवन में बदलाव लाने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ÷मोदी जी की गारंटी÷ वाली गाड़ी हर घर तक पहुँचेगी, ताकि हर गरीब को उसकी पात्रता के अनुसार हितलाभ प्रदान किया जा सके। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास समिति की सभापति तारा पटेल, विजय पटेल सहित स्थानीय प्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

लंबित प्रकरणों का जल्द निराकरण करें :एसपी डॉ. यादव

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव की अध्यक्षता में पुलिस कंट्रोल रूम में बैठक आयोजित की गई जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार पाठक एवं समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं समस्त थाना प्रभारी की उपस्थिति में वर्ष के अंत में लंबित गंभीर अपराधों लंबित मर्ग,लंबित चालान के निकाल हेतु एवं मुख्यमंत्री म.प्र.शासन व पुलिस मुख्यालय की मंशानुरूप धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर / डी0 जे0/सम्बोधन प्रणाली) के अनियंत्रित व नियम विरूद्ध प्रयोग पर संबंधित धर्म गुरूओं से संवाद व समन्वय के आधार पर अवैध लाउडस्पीकरों को हटावाया जाये तथा निर्धारित डेसिबल का अनुपालन कराया जावे एवं गंभीर अपराधों एवं आदतन अपराधियों की जमानत कार्यवाही के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के विषय पर बिन्दुबार चर्चा की गई।समीक्षा बैठक में समस्त थाना प्रभारियों को थाने स्तर पर महिला संबंधी अपराधों को गंभीरता से लेकर प्रथम पर्यवेक्षण अधिकारी थानावार समीक्षा करायी जाकर प्राथमिकता के आधार पर निकाल करें एवं सी0एम0 हेल्प लाईन में लंबित शिकायतों के संबंध में शिकायतकर्ता से स्वयं संबाद करें, उनकी समस्या सुने और उनका निराकरण संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने हेतु भी निर्देशित किया गया।जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अवैध फायर आर्म्स एवं असमाजिक तत्वों आदतन अपराधियों की अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये।सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को आमजन से अच्छा व्यवहार करने एवं तत्संबंध में अपने अधीनस्थों को भी अवगत कराने हेतु निर्देशित किया।

विधानसभा निर्वाचन में उत्कृष्ट कार्य के लिये डीपीओ पुरुस्कृत

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने विधानसभा निर्वाचन 2023 में दिव्यांगजनों के सुगम मतदान, शिकायत शाखा और मतगणना स्थल पर भोजन व्यवस्था के नोडल दायित्व तथा स्वीप गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास सौरभ सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया।

मृतक के शब को गोहद चौराहे पर रखकर लगाया परिजनों ने जाम

दैनिक पुष्पाजलि टुडे

गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत भिंड ग्वालियर हाईवे रोड पर पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बंसी पुत्र जगदीश धानुक उम्र 27 साल निवासी वार्ड नंबर 4 गोहद दो दिन पूर्व एक्सीडेंट में घायल हो गया था जिसे गोहद अस्पताल में पुलिस द्वारा भर्ती कराया गया जहां गंभीर स्थिति देखते हुए डॉक्टर ने ग्वालियर रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान 17 दिसंबर को मौत हो गई इसी घटना से गुस्साए परिजनों ने 18 दिसंबर को गोहद चौराहा पर शब को रखकर जाम लगा दिया लगभग आधा घंटे से अधिक समय तक जाम लग रहा जिसे एसडीओपी सौरभ कुमार नायब तहसीलदार राकेश श्रीवास्तव थाना प्रभारी प्रदीप सोनी सहित अधिकारियों की समझाइस पर परिजनों ने जाम खोला एवं पुलिस ने कार्यवाही का आश्वासन दिया जिससे परिजन आस्वस्त हुए

प्रदेश के कर्मचारियों को सरकार दे चार प्रतिशत महंगाई भत्ता –जनक सिंह रावत

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -ऑल इंडिया एन.पी. एस एंप्लॉय फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं राज शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जनक सिंह रावत द्वारा प्रदेश सरकार के मुखिया माननीय मोहन सिंह यादव जी को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि कर्मचारियों का 4त्न महंगाई भत्ता कर्मचारियों को जल्द से जल्द जारी करने के आदेश करें जिससे कर्मचारी अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें सरकार ने प्रदेश के कर्मचारियों को जुलाई माह से चार प्रतिशत महंगाई भत्ता देने एवं स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने की मांग का प्रस्ताव पारित किया गया। रावत ने बताया है कि सरकार ने प्रदेश के 7 लाख 50 हजार कर्मचारी एवं 48 हजार स्थाई कर्मियों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता का लाभ केंद्र में लागू होने के 6 माह बाद भी नहीं दिया है प्रदेश के स्थाई कर्मियों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी सातवें वेतनमान का लाभ न्यायालय आदेश के 7 साल बाद भी नहीं दिया गया है। संगठन प्रदेश के मुख्यमंत्री महोदय से अपेक्षा रखता है कर्मचारियों के हित में जल्द से जल्द आदेश जारी करेंगे जिससे कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान हो सके

मोहन यादव सरकार का बड़ा फैसला, प्रशांत सिंह फिर बनाये गये मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता

मध्य प्रदेश में मोहन यादव की सरकार ने मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता पद पर प्रशांत सिंह की नियुक्ति की है. इसका आदेश आज सोमवार (18 दिसम्बर) को मध्य प्रदेश शासन के विधि और विधायी कार्य विभाग के सचिव उमेश पांडव ने जारी किया. प्रशांत सिंह को इसके पहले शिवराज सरकार ने भी महाधिवक्ता नियुक्त किया गया था. प्रशांत सिंह पूर्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी रह चुके है. कहा जा रहा है कि रिट, सिविल, क्रिमनल, टैक्स व संवैधानिक सहित सभी तरह की वकालत में समान रूप से महारत रखने के कारण प्रशांत सिंह महाधिवक्ता नामांकित किए गए हैं.उल्लेखनीय है कि प्रशांत सिंह को पूर्व में 13 अक्टूबर, 2021 को मध्यप्रदेश का महाधिवक्ता नियुक्त किया गया था.

नगर परिषद रन्नौद दलाली एवं

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी 43 लाख की लागत से बनी सड़क, बिछाने के बाद दूसरे दिन ही उखड़ने लगा डामर।

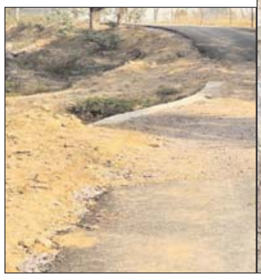

प्रदीप जैन (पिंटू) रन्नौद

तहसील प्रांगण से सरकारी कृषि फार्म तक 1 किलोमीटर कायाकल्प सड़क निर्माण 1 महीने पहले हुआ है,43 लाख रुपए सड़क निर्माण के लिए स्वीकृत हुई थी, लेकिन सड़क निर्माण से पहले ही ठेकेदार और अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के बीच राशि की बंदरबांट वाटकर 50त्न में सड़क निर्माण कर दिया गाया इसके बीते 1 महीने में सड़क की कई जगह से डामर उखाड़ने लगा है इस सड़क में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है इंजीनियर ठेकेदार और नगर पालिका की जनप्रतिनिधियों की मिली भगत से सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है, कायकल्प सड़क योजना में 43 लाख रुपए की लागत से बनी 1 किमी सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। 5 इंच के बीएम के बाद 2 इंच कारपेट वर्क को अलग-अलग करने के बजाए ठेकेदार ने एक साथ कर दिया, जिसकी वजह से सड़क उखड़ने लगी. अफसर की मनाही के बाद भी ठेकेदार के काम नहीं रोकने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

पुलिया में आया दरार- इस सड़क को बनाने में घटिया सीमेंट एंव डस्ट का उपयोग किया गया है जिसके 1 महीने बाद ही पुलिया के बीच में से दरार नजर आ रही है मुश्किल से कुछ दिनों बाद पुलिया टूट जाएगी सड़क में जमकर हुआ भ्रष्टाचार सड़क के इंजीनियर और नगर परिषद के सीएमओ की उदासीन रवैया सामने देखने को मिल रही है ठेकेदार की मनमानी की चलते नगर परिषद अपने हाथ पैर हाथ रखे बैठी हुई है नदी पर जहां पुल बनाना था वहां तीन पाइप डालकर एक पुलिया का निर्माण कर दिया है जिसमें घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है या जनप्रतिनिधि और इंजीनियर और ठेकेदार ने मिलकर शासन की राशि का बंटरवाट कर लिया है।

1.कायकल्प योजना के तहत सड़क का निर्माण हुआ है 43 लख रुपए की इसकी लागत रही है और जिस समय डाली गई थी मैं उसे समय छुट्टी पर था मुझे जानकारी नहीं है मैं आकर दिखबाता हूं- अरविंद पटेल इंजीनियर रन्नौद।

जिले के पांचों विधायको ने ली गोपनीयता की शपथ

जिले के एक मात्र कांग्रेस से पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह ने ली पहली बार विधानसभा में शपथ

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- सोमवार को मध्यप्रदेश की विधानसभा में भोपाल पहुंचकर सभी नवनिर्वाचित विधायकों को गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। जिसमें शिवपुरी जिले के पांच विधानसभाओं से चुने गए चार भाजपा और एक कांग्रेस के विधायक ने गोपनीयता की शपथ ली। इसके बाद से मध्यप्रदेश की 16वीं विधानसभा का पहला सत्र शुरू हो गया है। चार दिवसीय यह सत्र 21 दिसंबर तक चलने वाला है।बता दें कि शिवपुरी जिले की पांच विधानसभाओं में से दो विधानसभा से दो विधायकों ने पहली बार विधायक बन कर गोपनीयता की शपथ ली है। पोहरी विधानसभा से कांग्रेस के चुने गए विधायक कैलाश कुशवाह ने आज पहली बार विधायक बनने के बाद शपथ ली है। इसके अतिरिक्त पिछोर से भाजपा के चुने गए विधायक प्रीतम लोधी ने भी पहली बार विधायक बनने के बाद शपथ ली है। दोनों ही विधायक पूर्व में भी चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इस बार उनके किस्मत के सितारे चमके और उन्हें जीत हासिल हुई। वहीं शिवपुरी से भाजपा विधायक देवेंद्र जैन, करैरा से भाजपा विधायक रमेश खटीक और कोलारस से भाजपा विधायक महेंद्र यादव ने आज शपथ ली है। तीनों विधायक पूर्व में भी विधायक रह चके हैं।

इन ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-विकसित भारत संकल्प यात्रा'' में कैंप लगाकर सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ दिया जाएगा। इसके लिए रूट चार्ट तैयार किया गया है। जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा 26 जनवरी 2024 तक आयोजित की जाएगी।सोमवार को जनपद पंचायत शिवपुरी की ग्राम पंचायत सकलपुर एवं रायपुर धमकन, जनपद पंचायत कोलारस की ग्राम पंचायत देहरोद एवं सुआटोर में शिविर लगाया जाएगा। जनपद पिछोर की ग्राम पंचायत पिपारा एवं बामौर डामरोन में तथा जनपद पंचायत नरवर की ग्राम पंचायत जुझाई एवं कलापहा?ी में शिविर आयोजित किया जाएगा। जनपद पोहरी की ग्राम पंचायत बमरा एवं घटाई में शिविर लगाया जाएगा।

विश्व संगीत समागम 99वां तानसेन समारोह में पूर्वरंग ''गमक'' का होगा आयोजन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- विश्व संगीत समागम 99वां तानसेन समारोह में शिवपुरी में भी पूर्वरंग ''गमक'' का आयोजन किया जाएगा। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम पोलो ग्राउंड के सामने स्थित टाउन हॉल में 22 दिसम्बर को शाम 6 बजे आयोजित होगा।22 दिसम्बर को आयोजित गमक कार्यक्रम में श्री तिरूपति कला संगीत महाविद्यालय शिवपुरी द्वारा सरस्वती वंदना, शिवपुरी की ममता, आकांक्षा गौ?, अणिमा अस्थाना द्वारा गायन किया जाएगा। दिल्ली के राधेश्याम शर्मा द्वारा पखावज गायन की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। इंदौर की स्मिता मोकाशी, बसंत शर्मा, विठ्ठल राजपुरा द्वारा सरोद एवं पखावज जुगलबंदी किया जाएगा। संगतकारों में तबला पर संगीता अग्निहोत्री एवं सारंग लासुरकर, हारमोनियम पर रचना शर्मा तथा सारंगी अब्दुल हमीद रहेंगे। कार्यक्रम मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, जिला प्रशासन शिवपुरी, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण भोपाल, जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद शिवपुरी के सहयोग से उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी, संस्कृति परिषद भोपाल द्वारा आयोजित किया जायेगा।

शासकीय हाई स्कूल गुखौर में खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

सतेन्द्र प्रजापति की
पुष्पांजलि टुडे की खबर

पन्ना जिले के देवेंद्र नगर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत गुखौर में संचालित विद्यालय में दिनांक 17 दिसंबर 2023 को खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया खेल प्रभारी मुकेश कुमार पांडे के मार्गदर्शन में सभी खेल संपन्न हुए जिसमें क्रिकेट, रस्सी दौड़,100 मीटर की दौड़, 200 मीटर की दौड़,खो-खो एवं वॉलीबॉल जैसे खेलों का आयोजन किया गया इसमें

छात्र-छात्राओं ने बढ़-चलकर हिस्सा लिया एवं विद्यालय के प्राचार्य खेमचंद गुप्ता जी द्वारा सफल क्रियान्वन कर छात्र-छात्राओं को खेल में सतत मूल्यांकन कर सम्मान किया गया इसमें कक्षा 9 एवं 10 के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता निभाई एवं विद्यालय का स्टाफ गंगाराम पटेल, शैलेन्द्र कुमार जैन,कृष्ण कुमार शुक्ला, अनुराधा पटेल, प्रज्जोत मिश्रा, सतेन्द्र प्रजापति ने मार्गदर्शन साथ-साथ सहयोग किया गया।

शिक्षा सुधारों में व्यापकता एवं व्यावहारिकता जरूरी

आवश्यकता है कि शिक्षा संबंधी सुधार व्यावहारिक हों शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए शिक्षा तंत्र को समय-समय पर कड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। जिस प्रकार लम्बे समय से ठहरा हुआ पानी अपनी स्वच्छता तथा गुणवत्ता को खोकर प्रदूषित हो जाता है, ठीक उसी प्रकार किसी भी क्षेत्र में गुणवत्ता के लिए व्यापक स्तर पर बुनियादी सुधार किए जाते हैं। यह बदलते समय के अनुरूप तथा नीति परिवर्तन के कारण अवश्य भी हो जाता है। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के मानकों तथा व्यावहारिकता में बहुत से परिवर्तन हो रहे हैं, इसलिए आवश्यक हो जाता है कि उस क्षेत्र विशेष में कार्यरत व्यक्तियों, नीतियों तथा रीतियों में भी परिवर्तन हो। यह भी आवश्यक है कि प्रस्तावित बदलाव वास्तविक, व्यावहारिक तथा शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हों। प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में इस समय व्यापक रूप से परिवर्तन हो रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलावों को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक विद्यालय तथा महाविद्यालय को 'डिवेलपमेंट प्लान' अनिवार्य किया गया है। 'मुख्यमंत्री एक्सीलेंस स्कूल' तथा 'कालेज ऑफ एक्सीलेंस' बनाए जा रहे हैं। प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा में निदेशालय, सचिवालय तथा शिक्षा मंत्रालय स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित कर गम्भीर चिन्तन हो रहा है जिसका उद्देश्य केवल शिक्षा तंत्र को चुस्त-दुरुस्त कर गुणवत्ता के लक्ष्य को प्राप्त करना है। प्रदेश में पिछले कई वर्षों से शिक्षक स्थानांतरण नीति के क्रियान्वयन के लिए अनेक फैसले लिए गए, परंतु विडम्बना है कि कोई भी स्थानांतरण नीति अन्तिम रूप से घोषित होकर लागू नहीं हो पाई।

जनजातीय क्षेत्रों, सब-काडर, हार्ड एरिया, निचले क्षेत्रों, ऊपरी क्षेत्रों तथा शहरी क्षेत्रों की परिभाषावली में उलझी यह ट्रांसफर पॉलिसी अब भी तकनीकी शब्दावली के मकडज़ाल में फंसी हुई है। अस्पष्ट तथा अघोषित ट्रांसफर पॉलिसी के चक्कर में अध्यापकों के स्थानांतरण का फैसला न्यायालय में होता है जहां मोटी धनराशि वकीलों को देनी पड़ती है। प्रभावशाली व्यक्ति हमेशा अपने राजनीतिक, प्रशासनिक प्रभाव का प्रयोग करता रहता है, आम व्यक्ति की नियमानुसार सुनवाई भी नहीं होती। सबसे बड़ी बात यह है कि राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों तथा समृद्ध एवं सम्पन्न व्यक्ति की अर्धांगिनी, बेटी, बेटा या नजदीकी मित्र रिश्तेदार राजधानी या जिला मुख्यालय छोड़ कर किसी भी दुर्गम क्षेत्र में कैसे जा सकते हैं। फिर अनेक प्रकार के सच्चे-झूठे प्रमाणपत्र, मेडिकल प्रमाणपत्र भी तो प्रस्तुत किए जाने की सुविधा उपलब्ध है, जिसे सत्यापित किए बिना मनमर्जी के प्रभावशाली व्यक्ति कहीं भी नौकरी कर सकता है। अगर ऐसा न हो तो भी राजनीतिक तथा सचिवालय स्तर पर कोई न कोई हल निकल जाता है या फिर न्यायालय में भी वकीलों के दांवपेंच इस दिशा में कारगर साबित होते हैं। समस्या यह है कि निश्चित नियमावली एवं स्थानांतरण पॉलिसी के अभाव या उसे लागू करने की मंशा न होने से लोगों को बेवजह निदेशालय, सचिवालय तथा न्यायालय के चक्कर लगा कर परेशान होना पड़ता है, जिससे बहुत सा धन तथा समय नष्ट होने के साथ मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह जगजाहिर सत्य है कि आज तक अनेकों अध्यापक अपना राजनीतिक तथा प्रशासनिक प्रभाव न होने के कारण जनजातीय क्षेत्रों में ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं। वर्तमान शिक्षा में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से शिक्षकों को तीस किलोमीटर से बाहर स्थानांतरित करने की चर्चा चल रही है। आशा है कि बिना भेदभाव तथा पक्षपात से यह नीति प्रदेश में लागू होगी। अब प्रदेश के स्कूलों में पाठशाला प्रबंधन समिति तथा पाठशाला प्रशासन विद्यार्थियों की वर्दी अपनी पसन्द से चयनित करने के लिए स्वतन्त्र होगा। सरकार का यह निर्णय जहां स्वागत योग्य तथा फैसले लेने के लिए संस्थागत स्वायत्तता को बढ़ावा देता है वहीं पर संस्थान स्तर पर अपनी-अपनी इच्छा, पसन्द तथा मनमर्जी से सरकारी स्कूलों की वर्दी से अपनी पहचान की अवधारणा समाप्त हो सकती है। सरकारी पाठशालाओं के विद्यार्थियों की अपनी पहचान होती है जिस पर पुनर्विचार किया जा सकता है। इसी तरह विभाग में वार्षिक कैलेंडर में स्पोर्ट्स डेज कम करने तथा टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम छुट्टियों में आयोजित कर शैक्षिक कार्य दिवस बढ़ाने का विचार भी सराहनीय कदम होगा। इस बात पर भी विचार किया जा सकता है कि प्राथमिक तथा अंडर-14 खेलकूद तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं क्लस्टर तथा खण्ड स्तर तक ही आयोजित होनी चाहिए।

छोटे बच्चे अल्पावस्था में इतने सक्षम नहीं होते कि वे खेलकूद प्रतियोगिताओं के दौरान स्व-प्रबन्धन कर सकें। खेलकूद प्रतियोगिताओं में कई बार अध्यापकों तथा प्रबंधकों की ओर से लापरवाही की शिकायतें मीडिया तथा समाचारपत्रों में देखी गई हैं। कुछ दिन पहले विभाग ने पांच सौ मीटर के दायरे में सभी वरिष्ठ, उच्च, माध्यमिक तथा प्राथमिक पाठशालाओं को एक ही प्रधानाचार्य के अधीन कार्य करने, संसाधनों के उपयोग तथा अध्यापकों की कमी के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त शिक्षकों की सेवाओं का लाभ लेने का विचार बनाया है, जिसका प्राथमिक स्तर के अध्यापकों द्वारा विरोध शुरू हो चुका है। इस नवीन योजना के अनुसार आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित सभी पाठशालाओं की गतिविधियां एक ही स्थान पर आयोजित होने, टाईम टेबल को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रारम्भ में कुछ परेशानियां अवश्य होंगी, लेकिन इससे संसाधनों का दुरुपयोग रुकेगा तथा उनका अधिक इस्तेमाल होगा। सरकार का यह निर्णय संस्थागत प्रशासन, अध्यापकों की कमी तथा शैक्षिक वातावरण की स्थापना तथा शिक्षा की गुणवत्ता के उद्देश्यों के लिए लाभप्रद रहेगा। इससे मानवीय तथा भौतिक संसाधनों को प्रभावी ढंग से उपयोग में लाया जा सकता है। लोकतंत्र में व्यक्तियों तथा संगठनों को अपने अधिकारों पर आवाज बुलंद करने तथा अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता रहती है, परन्तु प्रदेश के शिक्षा विभाग में अप्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक दलों द्वारा समर्थित, गैर राजनीतिक शिक्षक संगठन तथा अराजपत्रित कर्मचारी, अनेकों संगठन अध्यापकों तथा कर्मचारियों के हितों के लिए आवाज उठाते हैं। अध्यापकों तथा कर्मचारी संगठनों के साथ शिक्षा प्रशासन को बातचीत कर विलय करवा कर इनकी संख्या कम करने का प्रयास करना चाहिए। प्रदेश में शिक्षा की नीतियों तथा गुणवत्ता के लिए सरकार की ओर से गम्भीर प्रयास किए जा रहे हैं। आवश्यकता है कि होने वाले परिवर्तन व्यावहारिक हों, भेदभाव एवं पक्षपात रहित होकर प्रभावी ढंग से लागू हों, लोकतांत्रिक प्रक्रिया से लिए गए निर्णय सामूहिक तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप हों।

संपादकीय

विषम परिस्थिति पर नियंत्रण ही जीवन की अग्नि परीक्षा

जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा सइसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगी। कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे स निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है। जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंस संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुन: साहस के साथ पुन:तैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है।

'अंत्योदय' मुख्यमंत्री

जिस तरह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री घोषित कर चौंकाया गया, उससे कहीं अधिक आश्चर्य राजस्थान के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर हुआ। मुख्यमंत्री चुनना भाजपा-संघ परिवार का अंदरूनी मामला नहीं है। मुख्यमंत्री एक संपूर्ण राज्य के सूत्रधार और 'प्रथम पुरुष' होते हैं। सिर्फ जातीय चेहरों को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या स्पीकर बना देने से उन गरीब, वंचित, खाली हाथ समुदायों की समस्याओं और तकलीफों को संबोधित नहीं किया जा सकता। भाजपा-संघ नेतृत्व नहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने ही इन मुख्यमंत्री चेहरों को चुना है। वह राजनीति में भी 'अंत्योदय' लागू करना चाहते हैं, लिहाजा पिछली कतार में बैठे, कम चर्चित विधायकों को मुख्यमंत्री के तौर पर चुना गया। सिर्फ व्यक्तिगत वफादारी, संघ के प्रति निष्ठा और उसकी पृष्ठभूमि के आधार पर ही मुख्यमंत्री नहीं चुने जाने चाहिए। मुख्यमंत्री पद के लिए प्रशासनिक अनुभव, सामूहिक आह्वान और नीतियां-कार्यक्रम तय करने की रणनीतिक बौद्धिकता भी बेहद अनिवार्य हैं। हम भाजपा के नए मुख्यमंत्रियों की प्रतिभा पर कोई सवाल नहीं कर रहे हैं। सवाल लोकतांत्रिक राजनीति पर है। कांग्रेस में आलाकमान के नाम पर 'गांधी परिवार' है और भाजपा में नेतृत्व सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी अथवा कुछ हद तक अमित शाह हैं। दरअसल भाजपा में लोकतंत्र और राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। लोकतंत्र का तकाजा है कि निर्वाचित विधायक ही आपसी विमर्श के बाद अपना नेता, यानी मुख्यमंत्री, का चुनाव करें। उनके बीच विवाद भी पनप सकते हैं। मतदान की नौबत आ सकती है, लेकिन ऐसी परिस्थितियां लोकतंत्र का ही रूप हैं। यदि शीर्ष पर बैठा एक नेता अपनी पसंद का नाम पर्यवेक्षक को बता दे और उसी के आधार पर शिवराज सिंह चौहान,

न्यायाधीश साहसी बने रहें

सर्वोच्च न्यायालय की सेवा से रिटायर होने वाले न्यायमूर्ति संजय किशन कौल का यह कहना भारतीय लोकतन्त्र की जड़ों को मजबूती देने वाला है कि न्यायाधीशों को बेधड़क होकर बिना किसी बेखौफ-ओ-खतर के निष्पक्ष फैसले करने चाहिए क्योंकि उन्हें संवैधानिक संरक्षण मिला होता है। हमारे लोकतन्त्र की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसके महत्वपूर्ण स्तम्भ न्यायपालिका को पूरी तरह स्वतन्त्र रखा गया है और राजनैतिक दलों की बनने वाली सरकारों के प्रभाव से इसे अलग रखते हुए सीधे संविधान से शक्ति लेकर अपना दायित्व पूरा करने का कार्यभार सौंपा गया है। श्री कौल आगामी 25 दिसम्बर को रिटायर हो रहे हैं और 18 दिसम्बर से सर्वोच्च न्यायालय के 2 जनवरी तक के लिए जाड़े की छुट्टियां हो रही हैं। रिटायर होने से पूर्व पारंपरिक विदाई समारोह में मुख्य न्यायाधीश श्री डी.वाई. चन्द्रचूड की मौजूगी में न्यायमूर्ति कौल ने ये विचार व्यक्त करके साफ कर दिया कि यदि मौजूदा शासन प्रणाली में न्यायाधीश ही अपना कार्य बिना किसी पक्षपात और खौफ के नहीं करेंगे तो शेष प्रशासकीय ढांचे से ऐसी अपेक्षा नहीं की जा सकती। अतः जजों या न्यायाधीशों को 'दिलेर' या 'साहसी' होना चाहिए। श्री कौल के मत में न्यायाधीशों का साहसी होना पूरे प्रशासनिक तन्त्र की निष्पक्षता के लिए बहुत जरूरी होता है। वर्तमान सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश मंडली में श्री कौल की प्रतिष्ठा अत्यन्त विशिष्ट व गौरवमयी मानी जाती है। उन्होंने जितने भी निर्णय दिये उनमें उनके निष्पक्ष व्यक्तित्व की झलक भी स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। कश्मीर के अनुच्छेद 370 समाप्त करने के पक्ष में उनके दिये गये फैसले में भी यह छाप दिखाई पड़ती है। उन्होंने अपने फैसले में 370 को समाप्त किये जाने के हक में फैसला देते हुए यह भी लिखा कि जम्मू-कश्मीर राज्य में नागरिकों पर हुई कथित ज्यातियों की जांच के लिए एक 'सत्य व सान्त्वना आयोग' को भी गठित किये जाने की जरूरत है। वैसे अगर गौर से देखा जाये तो स्वतन्त्रता के बाद भारत की न्यायपालिका का इतिहास बहुत ही गौरवशाली और गरिमामय रहा है केवल अपवाद के रूप में इमरजेंसी के 18 महीने के कार्यकाल को जरूर देखा जा सकता है। देश की इस सबसे बड़ी अदालत के न्यायमूर्तियों में समय पड़ने पर देश के लोकतन्त्र की मजबूती के लिए बड़े से बड़ा कदम उठाने में भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई दी और अपने पद के स्तर को हमेशा निष्पक्ष बनाये रखने के लिए सामूहिक इस्तीफे तक दिये हैं। जैसा कि 1974 में केन्द्र की इन्दिरा गांधी सरकार के कार्यकाल के दौरान एक कनिष्ठ न्यायाधीश श्री अजितनाथ राय को मुख्य न्यायाधीश के पद पर बैठाने के विरोध में चार न्यामूर्तियों ने इस्तीफे दे दिये थे।

इस घटना ने भी देश के लोकतन्त्र प्रेमियों को प्रेरणा देने का कार्य बहुत भीतर तक किया था। इससे पूर्व 1969-70 में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों ने लोकप्रिय जन अवधारणा की परवाह न करते हुए केवल संविधान और कानून की कसौटी पर इन्दिरा सरकार द्वारा 14 निजी बैंकों के राष्ट्रीयकरण व राजा- महाराजाओं के प्रिविपर्स उन्मूलन के सरकारी फैसलों को भी अवैध करार दे दिया था। हालांकि इन्हीं मुद्दों पर 1971 में हुए लोकसभा चुनावों में इन्दिरा जी की पार्टी कांग्रेस की महाविजय हुई थी और बैंक राष्ट्रीयकरण व प्रिविपर्स उन्मूलन का विरोध करने वाली पार्टियों जनसंघ, स्वतन्त्र पार्टी, संसोपा व संगठन कांग्रेस के चौगुटा गठबन्धन को करारी हार का सामना करना पड़ा था। बाद में संविधान संशोधन करके ही ये दोनों फैसले लागू किये गये थे। इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय ने कई और ऐतिहासिक फैसले दिये जिनमें संविधान के मूल ढांचे को न बदलने का निर्णय शामिल है। भारत के लोकतन्त्र को सर्वदा जीवन्त व कानून परक बनाये रखने के लिए और संविधान निर्माताओं के दूरदृष्टि मूलक फैसलों को हर काल में सामयिक बनाये रखने का यह निर्णय बहुचर्चित गोलकनाथ मामले में दिया गया था। इसके अलावा महाराज सिंह भारती मामले में बन्दी प्रत्यक्षीकरण का मुकदमा भी मील का पत्थर बना हुआ है। सच तो यह है कि सर्वोच्च न्यायालय भारत की स्वतन्त्रता के पिछले 76 सालों में 'अभयदीप' बन कर लोकतन्त्र के दो अन्य खम्भों विधायिका व कार्यपालिका को दिशा दिखाने का काम करता रहा है। देश की राजनीति बदलने का इस पर कोई असर नहीं पड़ता और यह संसद द्वारा बनाये गये कानूनों को भी संविधान की कसौटी पर कस कर उहें वैध या अवैध घोषित करता रहा है। न्यायपालिका की मुख्य चिन्ता पूरे भारत में संविधान का शासन देखने की रही है और यह कार्य हर दौर में उसने पूरी मुस्तैदी के साथ किया है। जहां तक निचले स्तर की न्यायपालिका का सवाल है तो इसकी कार्यप्रणाली में विशेष कर आपराधिक मुकदमों के सन्दर्भ में इसमें बहुत सुधारों की जरूरत 60 के दशक से ही महसूस की जाती रही है। इसकी तरफ पहली बार इशारा स्व. चौधरी चरण सिंह ने 1969 में तब किया था जब उन्होंने इस वर्ष अपनी नई पार्टी 'भारतीय क्रान्ति दल' बनाई थी और इनके घोषणापत्र में 'कोर्ट-कचहरी' के कामकाज में प्रशासनिक व न्यायिक सुधारों की बात लिखी थी। इन सुधारों की गूंज हमें अब 52 साल बाद भी सुनाई पड़ रही है जिसे स्वयं सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड ही करते हुए दिख रहे हैं। अतः न्यायमूर्ति कौल के कथन को व्यापक सन्दर्भों में देखने की आवश्यकता है। संवैधानिक संरक्षण परोक्ष रूप से हमारी कार्यपालिका को भी मिला होता है क्योंकि हर जिले का जिलाधीश और पुलिस कप्तान भी संविधान की शपथ ही लेता है। मगर उसे राजनैतिक नेतृत्व के निर्देशन में काम करना पड़ता है। इसकी वजह से कई पेचीदगियां पैदा हो जाती हैं जिनका सम्बन्ध सीधे राजनीति के 'स्तर' और राजनीतिज्ञों के ''चरित्र'' से जाकर जुड़ता है।

अब चन्द्रयान-4 की तैयारी

स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष का सफर शानदार तरीके से तय किया। साइकिल और बैलगाड़ी से शुरू हुई हमारी अंतरिक्ष यात्रा अब मंगल और चांद तक पहुंच गई है। भारतीय वैज्ञानिक पहले रॉकेट को साइकिल पर लाद कर प्रक्षेपण पर ले गए थे। इस मिशन का दूसरा रॉकेट बहुत भारी था जिले बैलगाड़ी पर ले जाया गया था। इससे ज्यादा रोमांचकारी बात यह है कि भारत ने पहले रॉकेट के लिए नारियल के पेड़ों को लांचिंग पैड बनाया था। हमारे वैज्ञाध्निकों के पास अपना दफ्तर भी नहीं था। वे एक चर्च के मुख्य कार्यालय में बैठकर सारी प्लानिंग करते थे।

आज भारत ने मानव को अंध्तरिक्ष भेजने की तैयारी कर ली है लेकिन यह यात्रा इतनी आसान नहीं है। 1947 में जब देश आजाद हुआ तब स्थिति इतनी करुण थी कि हमारे पास खाने के लिये पर्याप्त अनाज भी नहीं था, अंतरिक्ष की कल्पना करना तो बहुत दूर की बात थी लेकिन हम साहस के साथ सभी चुनौतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ते रहे। अंततः साल 1962 में वह घड़ी आई जब भारत ने अंतरिक्ष का सफर करने का फैसला किया और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (इन्कोस्पार) की स्थापना की। साल 1969 में इस इन्कोस्पार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' (इसरो) का रूप धारण कर लिया। वर्तमान में इसरो दुनिया की 6 सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसियों में से एक है। जब भारत में अंतरिक्ष अनुसंधान गतिविधियों की शुरुआत हुई उस समय अमेरिका और रूस में उपग्रहों का परीक्षण शुरू हो चुका था। साल 1962 में भारत सरकार ने अंतरिक्ष अनुसंधान के लिये भारतीय [illegible] पहला कदम रखा और साल 1963 में थंबा से पहले साउंडिंग रॉकेट के साथ भारत के औपचारिक अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरूआत हुई। बाद में डॉक्टर विक्रम साराभाई ने उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास के लिये 5 अगस्त, 1969 को इन्कोस्पार के स्थान पर इसरो की स्थापना की। इसी कड़ी में भारत सरकार ने जून 1972 में अंतरिक्ष आयोग का गठन किया और अंतरिक्ष विभाग की स्थापना की। सितंबर 1972 में इसरो को अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत कर दिया गया। भारत में आधुनिक अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक कहे जाने वाले साराभाई का मानना था कि अंतरिक्ष के संसाधनों से मनुष्य व समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का नेतृत्व करने के लिये देश के सक्षम व उत्कृष्ट वैज्ञानिकों, मानवविज्ञानियों, समाजविज्ञानियों और विचारकों के एक दल का गठन किया था। अब वर्ष 2023 को हम अलविदा कहने वाले हैं लेकिन यह वर्ष भारत और हमारे वैज्ञाध्निकों के लिए बहुत यादगार रहा है। यह वर्ष अंतरिक्ष की दुनिया में [illegible] का अहसास कराया है। इसरो के मून मिशन चन्द्रयान-3 के जरिये भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में नया इतिहास रचा। भारत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग करने वाला पहला देश बना। वहीं चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना। अमेरिका, रूस और चीन भी चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग नहीं कर पाए हैं।

चन्द्रयान के बाद इसरो के ध्लिए दूसरी बड़ी सफलता आदित्य एल-1 की सफल लांचिंग रही। यह सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष में भारतीय प्रयोगशाला है। आदित्य एल-1 मिशन का उद्देश्य सूर्य का अध्ययन करना है। चंद्रयान और आदित्य एल-1 के बाद इसरो अपने पहले मानव मिशन गगनयान की तैयारी कर रहा है। पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान 2025 में होने की संभावना बताई जा रही है। इससे पहले इसरो कई परीक्षण करेगा ताकि गगनयान मिशन में जब इंसानों को भेजा जाए तो उनकी सुरक्षा में कहीं भी चूक की कोई गुंजाइश न रहे और वो पूरी तरह से सुरक्षित रहें। इस कड़ी में 21 अक्टूबर को इसरो ने [illegible] किया। गगनयान मिशन की पहली टेस्ट उड़ान में इसरो क्रू मॉड्यूल को आउटर स्पेस तक भेजा गया और इसके बाद इसे वापस जमीन पर लौटाया गया। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने अब नए मिशन की जानकारी दी है। इस मिशन के तहत इसरो 4 साल में चांद से नमूने लाने की तैयारी में है, इसके लिए चन्द्रयान-4 लांच करने की तैयारी की जा रही है। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का पहला मॉड्यूल 2028 तक लांच किया जाएगा। यह भारत का अंतरिक्ष स्टेशन होगा जो रोबोट की मदद से प्रयोग करने में सक्षम होगा। अंतरिक्ष स्टेशन के ध्निर्माण के लिए एक हैवी लांच वाहन की जरूरत होगी। इसरो इसके ध्लिए डिजाइन तैयार करने में जुटा है। इसरो एक के बाद एक अपने ही रिकार्ड तोड़ता हुआ अंतरिक्ष में नई इबारत लिखता जा रहा है। आज भारत अपने ही नहीं बड़ी संख्या में बड़े देशों के उपग्रहों का भी प्रक्षेपण कर रहा है। उपग्रहों को छोड़ना भारत के लिए अब एक तरह से पक्षियों को आसमान में उड़ाने जैसा है। इसरो के वैज्ञानिकों की प्रतिभा को हम सलाम करते हैं। जो [illegible]

आज का राशिफल

मेष:- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला-जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। घर में खुशहाल स्थिति प्रसन्न रखेगी।

बृषभ:- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व बुद्धिजीवियो से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राएं करनी होंगी।

मिथुन:- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओ की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

कर्क:- भविष्य के प्रति मन में चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का ठीक डंग से निर्वहन् करें। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टि उत्पन्न होगी। आलस्य का त्याग करें।

सिंह:- पारिवारिक दायित्वों की चिंता उत्पन्न होगी। स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति ध्यान देवें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या:- छोटी-छोटी पारिवारिक बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन सगे-संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाएं याद आएंगी।

तुला:- वक्त के साथ समझौता कर चलने की चेष्ठा करें। अपने कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझे और अपने को उसी दिशा की ओर केंद्रित करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

वृश्चिक:- जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंधी से बिशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार हैं।

धनु:- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर:- कोई छोटी बात भी परिवार कें तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता नये उत्साह का संचार करेगी। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिब्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे।

कुंभ:- शासन-सत्ता में ब्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।

मीन:- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्टि पैदा करेंगी। तामसिक [illegible]

अभिनय से कमाई की पारी बाकी फिर बाजार से यारी

एक दौर था, जब हमारे फिल्म सितारों का पूरा स्टारडम फैन तक ही सीमित रहता था। मगर वक्त बदला, तो कई सितारों ने इसका इस्तेमाल अलग से करना शुरू कर दिया। उस दौर में पहली बार सुपर स्टार राजेश खन्ना ने अपनी इस चरम लोकप्रियता को पहचाना था। तब उन्होंने छोटे-मोटे इंडोर्समेंट में शरीक होना शुरू कर दिया था। कहते हैं उस समय वह बहुत किसी बड़ी शादी समारोह में एक झलक दिखाने के लिए एक लाख तक की राशि आसानी से पा जाते थे। बाद में परिदृश्य ऐसा बदला कि कई सितारे इंडोर्समेंट के सहारे ही चलने लगे। कैसे और क्यों? आइए इस पर गौर फरमाएं-

अमिताभ की बाजारदारी

सर्वविदित है कि अमिताभ बच्चन यानी बिग बी ने अपने समकालीन राजेश खन्ना की लोकप्रियता से प्रेरणा लेकर शुरू से ही अपनी मार्केटिंग बहुत कुशलता से शुरू कर दी थी। जिसका नतीजा यह हुआ कि कई बड़े ब्रांड के साथ वह आसानी से जुड़ गए। उन्होंने पैसा कमाने के मामले में कोई क्राइटेरिया नहीं रखा। तेईस साल पहले उन्होंने फिल्मों की बजाय टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का ट्रेक बहुत सहज ढंग से पकड़ लिया। उनकी समझदारी का नतीजा यह हुआ कि यह शो आज भी उनके लिए करोड़ों की कमाई का जरिया बना हुआ है। इसके अलावा कई बड़ी कंपनियों के वह ब्रांड एंबेसडर हैं। ऐसे में फिल्में नहीं, टीवी शो और विज्ञापन उनकी अकूत कमाई का प्रमुख जरिया हैं।

शाहरुख का ट्रैक

उनके बाद शाहरुख खान इस मामले में उन्हें पूरी टक्कर दे रहे हैं। लेकिन शाहरुख ने पैसा कमाने के कई ट्रैक खोल दिये हैं। वह फिल्मों में काम करने के अलावा, फिल्म निर्माण और विभिन्न इंडोर्समेंट में सक्रियता के साथ लगे हुए हैं। यही वजह है कि एक्टिंग की अपेक्षा विज्ञापन जगत ने उन्हें ज्यादा संभाल रखा है।

रणवीर सिंह भी चल निकले

कभी धूमकेतू की तरह चमकनेवाले अभिनेता रणवीर सिंह को इधर कामयाब अभिनेता नहीं कहा जा रहा है। खास तौर से जयेशभाई जोरदार, 83, सर्कस, रिंकू और रानी की प्रेम कहानी जैसी बड़ी फिल्मों की विफलता के बाद उनका स्टारडम पहले जैसा नहीं माना जा रहा है। मगर इंडोर्समेंट की दुनिया में वे खासे लोकप्रिय हैं। निंदक मानते हैं कि उनका हंसमुख चेहरा कई इंडोर्समेंट के लिए एकदम माफिक लगता है। वैसे अब भी उनके पास दो-तीन बड़ी फिल्में हैं, मगर फिलहाल तो वह कई बड़े विज्ञापनों में छाये हुए हैं।

आलिया की दोस्ती

देखा जाए तो अभिनेत्री आलिया भट्ट ने इंडोर्समेंट से दोस्ती कर ली है। उन जैसी उम्दा अभिनेत्री को फिल्मों की बजाय ज्यादातर विज्ञापन फिल्मों में ही देखा जाता है। विवाह के बाद वह फिल्में न के बराबर कर रही हैं। पर कई बड़े विज्ञापनों में उनकी एंट्री बड़ी आसानी से हो रही है।

दीपिका भी कम नहीं

वैसे तो दीपिका अब भी कुछ फिल्मों में काम रही हैं। मगर पिछले दो-तीन साल से किसी फिल्म के संदर्भ में उनकी चर्चा कम ही होती है। नए साल के शुरू में आनेवाली उनकी फिल्म 'फाइटर' की चर्चा अभी से शुरू हो चुकी है। इसमें वे अभिनेता रितिक रौशन के साथ एक अहम रोल कर रही हैं। पर फिलहाल तो उनकी एड फिल्मों का ग्राफ बहुत ऊंचा है। वर्तमान में वह आधे दर्जन बड़े इंडोर्समेंट में दिखाई पड़ रही हैं।

चर्चा में हैं कियारा

नए दौर की तारिकाओं में बोल्ड बाला कियारा आडवाणी सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। वह इन दिनों कम से कम आधा दर्जन बड़ी एड फिल्मों में दिखाई पड़ रही हैं। 'गेम चेंजर' और 'वॉर-2' जैसी फिल्मों की हीरोइन कियारा ने शादी के बाद भी अपने कैरियर को बहत अच्छी तरह से संभाला है। फिल्मों के साथ-साथ एड फिल्मों में भी उनका ग्लैमर प्लस प्वाइंट है।

कई हीरोइन की शरणस्थली

सारा अली खान,अनन्या पांडे,जाह्नवी कपूर, यामी गौतम आदि कई तारिकाएं भी इंडोर्समेंट के सहारे काफी चर्चा में रहती हैं। अभी तक किसी भी फिल्म ने उन्हें स्टारडम नहीं दिया है। पर इन हीरोइनों का कहना है कि एड फिल्मों के चलते ही फिल्मों के ऑफर भी उन्हें मिलते रहते हैं।

बी ग्रेड के हीरो का भी सहारा

इधर आयुष्मान खुराना, राजकुमार राव जैसे कई बी ग्रेड फिल्मों के हीरो की फिल्मों को दर्शकों ने बेशक खारिज कर दिया है। मगर एड फिल्मों ने इन्हें भी बड़ा संबल दे रखा है। वैसे फिल्में वे अब भी कर रहे हैं। पर उन्हें भी पता है कि वे जिस तरह की फिल्मों में काम करते हैं, वैसी फिल्में यदा-कदा ही लोकप्रिय बनती हैं। ऐसे में वह छोटे-मोटे इंडोर्समेंट का दामन अच्छी तरह से पकड़े रहते हैं। सच तो यह है कि इंडोर्समेंट का यह खेल कई छोटे-बड़े सितारों के लिए प्राणवायु बना हुआ। मौके के मुताबिक जो जहां चाहता है अपने आपको फिट कर लेता है। मगर उसकी फीस तो उसके वर्तमान स्टारडम के मुताबिक ही मिलती है।

गाते-गाते रुक गई सांसें

ब्राज़ीलियाई गायक पेड्रो हेनरिक की 13 दिसंबर को एक प्रदर्शन के दौरान मंच पर गिरने से मृत्यु हो गई। वह 30 वर्ष के थे। सीएनएन ब्राज़ील के अनुसार, हेनरिक फ़िएरा डे सैन्टाना में एक निजी कार्यक्रम में प्रदर्शन कर रहे थे।

डॉक्टरों का मानना है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा। ब्राज़ीलियाई गायक पेड्रो हेनरिक की 13 दिसंबर को एक प्रदर्शन के दौरान मंच पर गिरने से मृत्यु हो गई। वह 30 वर्ष के थे। सीएनएन ब्राज़ील के अनुसार, हेनरिक फ़िएरा डे सैन्टाना में एक निजी कार्यक्रम में प्रदर्शन कर रहे थे। डॉक्टरों का मानना है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा। हालाँकि, मौत का आधिकारिक कारण साझा नहीं किया गया है। हेनरिक की मृत्यु के बाद, उनके रिकॉर्ड लेबल टोडा म्यूज़िक ने एक बयान जारी किया। समूह ने इंस्टाग्राम पर पुर्तगाली भाषा में लिखा, फ्पेड्रो एक खुशहाल युवक था, सभी का दोस्त था।फ शो का सोशल मीडिया नेटवर्क पर सीधा प्रसारण किया गया। हेनरिक के अस्वस्थ महसूस करने और फिर मंच पर गिरने से पहले प्रभावशाली व्यक्ति ने अपने प्रोफ़ाइल पर अपने प्रदर्शन का एक अंश पोस्ट किया था। हेनरिक ने अपने घातक प्रदर्शन से कुछ घंटे पहले अपनी थकान व्यक्त की थी, एक दोस्त के साथ मजाक में कहा था कि वह प्रसिद्धि चाहता है क्योंकि वह थका हुआ है। ब्राज़ीलियाई गायक के परिवार में उनकी पत्नी, सुइलान बैरेटो और उनकी 2 महीने की बेटी ज़ो है।

बेटी संग शिरडी के साईं बाबा मंदिर पहुंचे शाहरुख

बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान और उनकी अभिनेत्री-बेटी सुहाना ने गुरुवार को यहां प्रसिद्ध शिरडी साईबाबा मंदिर में प्रार्थना की। एसआरके की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म ष्डनकीष् की रिलीज से पहले दोनों शिरडी गये थे। कुछ दिन पहले उन्होंने जम्मू में वैष्णोदेवी माता मंदिर में भी प्रार्थना की थी। सोशल मीडिया पर शाहरुख और सुहाना के वीडियो सामने आए हैं, जिसमें पिता-बेटी की जोड़ी शिरडी साईबाबा मंदिर में नजर आ रही है।

किंग खान गहरे रंग के कोट और काली टोपी के साथ सफेद टी-शर्ट में हैं। उनके कंधे पर नारंगी शॉल है। वहीं सुहाना हल्के नीले रंग के सलवार-कुर्ता सूट में नजर आ रही हैं। स्टार-जोड़ी के अचानक प्रवेश से आश्चर्यचकित प्रशंसकों को उनकी एक झलक पाने और उनके साथ सेल्फी लेने के लिए धक्का-मुक्की करते देखा गया। खान ने मंदिर के कुछ अधिकारियों का अभिवादन किया और उनसे हाथ मिलाया, जो उन्हें लेने के लिए बाहर आए थे, और आसपास भीड़ में मौजूद अपने प्रशंसकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। इस साल दो बड़ी ब्लॉकबस्टर -पठान और जवान के बाद किंग खान 2023 में डनकी के साथ हैट्रिक की उम्मीद कर रहे हैं। फिल्म 21 दिसंबर को क्रिसमस और नए साल के जश्न से पहले रिलीज होगी। संयोग से, सितंबर में जवान की रिलीज से पहले, खान ने परिवार के साथ परेल में लालबाग के राजा के दर्शन किये थे और आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में प्रार्थना की थी। उनकी अपनी जुड़वां-ब्लॉकबस्टर फिल्मों के अलावा, इस साल बेटी सुहाना ने जोया अख्तर की द आर्चीज से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया था-जो प्रसिद्ध अमेरिकी कॉमिक बुक सीरीज पर आधारित है। फिल्म में उन्होंने अमीर और मनमौजी वेरोनिका लॉज की भूमिका निभाई थी। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज इस फिल्म में दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर भी बेट्टी कूपर की भूमिका में हैं। साथ ही अगस्त्य नंदा (आर्ची एंड्रयूज), मिहिर आहूजा (जुगहेड), वेदांग रैना (रेगी मेंटल), युवराज मेंडा (दिल्टन डोइली) और अदिति डॉट (एथेल मुग्स) भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

जो मुश्किल नहीं है, वो प्यार नहीं है - मौनी रॉय

टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया की मेजबानी कर रही अभिनेत्री मौनी रॉय ने शो में रिश्तों के भीतर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वास्तविकता एक बार फिर कल्पना से अधिक विचित्र साबित हुई है। हाल के एपिसोड में दर्शकों ने अर्जुन और चेष्टा के ब्रेकअप को देखा, जो भविष्य में एक साथ सामना करने के लिए निधि और मोहक के एकजुट निर्णय के साथ जुड़ा था। आगामी एपिसोड निशंक और चेतना तथा गार्गी और रौनक के भाग्य को उजागर करने का वादा करता है, जिससे उनके रिश्तों की जटिलताओं में स्पष्टता आएगी। पूरी यात्रा के दौरान दिलों की रानी, मौनी शो का एक अभिन्न हिस्सा रही हैं, और मेजबान करण कुंद्रा के साथ मार्गदर्शन प्रदान करती रही हैं। मौनी ने कहा, जो कभी विला में रहते थे, वे अब सार्थक संबंधों में विकसित हो गए हैं। प्यार का अंतिम फैसला सुनाना आसान काम नहीं होगा। इस शो ने मात्र आकर्षण को रिश्तों के बारे में गहन अहसास में बदल दिया है। सही ही कहते हैं, जो मुश्किल नहीं है, वो प्यार नहीं है।फउन्होंने आगे जोर देकर कहा, मैंने शो में व्यक्तियों को महत्वपूर्ण परिवर्तनों से गुजरते हुए, मजबूत और आत्मविश्वासी व्यक्तित्व के रूप में विकसित होते देखा है। साथ ही कई लोगों ने अपनी पूरी क्षमता से अ प न` संबंधों क ी गहराई का पता लगाया। मैं वास्तव में इन जोड़ों के जीवन में खुल रहे अध्यायों को देखने के लिए उत्सुक हूं। नागिन फेम अभिनेत्री ने कहा, टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया पर विचार करते हुए मुझे कहना होगा कि वास्तविकता एक बार फिर कल्पना से अधिक अजनबी साबित हुई है। रोलर कोस्टर की सवारी के रूप में प्रस्तुत रिश्तों की गतिशीलता मेरी उम्मीदों से परे है। हम विषाक्त पैटर्न को तोड़ने और रिश्तों में सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देने में गर्व महसूस करते हैं। टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया जियो सिनेमा पर प्रसारित होता है।

कथित तौर पर ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की शादी मुश्किल दौर से गुजर रही है। ऐसे कई उदाहरण हैं जो इस बात का संकेत देते हैं कि बच्चन परिवार में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। और अब, जूम की रिपोर्ट के अनुसार, ऐश्वर्या अलग रह रही हैं और बच्चन हाउस जलसा से बाहर चली गई हैं। कथित तौर पर ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की शादी मुश्किल दौर से गुजर रही है। ऐसे कई उदाहरण हैं जो इस बात का संकेत देते हैं कि बच्चन परिवार में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। और अब, जूम की रिपोर्ट के अनुसार, ऐश्वर्या अलग रह रही हैं और बच्चन हाउस जलसा से बाहर चली गई हैं। एंटरटेनमेंट पोर्टल का दावा है कि ऐश्वर्या को बाहर ले जाया गया है और वह अपना समय अपनी मां वृंदा राय और अभिषेक बच्चन के बीच समान रूप से बांट रही हैं। कथित तौर पर ऐश अलग रह रही हैं लेकिन अब तक अपने पति के साथ हैं। जूम का दावा है कि ऐश्वर्या और जया बच्चन के बीच बातचीत नहीं हो रही है और इसी वजह से परिवार में झगड़ा हुआ है। और यहां तक कि श्वेता बच्चन के जलसा में परमानेंट शिफ्ट होने से भी झगड़ा और बढ़ गया है। और इसके बीच, अभिषेक बच्चन परेशान हैं क्योंकि उन्हें अपने परिवार के प्रति एक बेटे के रूप में अपनी ज़िम्मेदारी और अपनी पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन के प्रति अपनी वफादारी दिखानी है। एंटरटेनमेंट पोर्टल जूम का तो यहां तक दावा है कि ऐश्वर्या और अभिषेक दोनों निकट भविष्य में तलाक नहीं लेंगे, लेकिन परिवारों के बीच दरार जरूर है। हाल ही में, ऐश्वर्या राय बच्चन पूरे बच्चन परिवार के साथ द आर्चीज़ मूवी इवेंट में नज़र आईं, जहाँ ऐश को भतीजे अगस्त्य नंदा के लिए हूटिंग करते हुए भी देखा गया, जो अपने डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार थे। जैसे ही ऐश का बच्चन परिवार के साथ पोज़ देते हुए वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ, नेटिज़न्स ने दावा किया कि उनके बीच निश्चित रूप से कुछ गड़बड़ थी। आराध्या का झुकाव अपनी मां ऐश्वर्या की ओर देखा गया, बावजूद इसके कि उनके पिता अभिषेक उनके साथ एक ही फेम में पोज दे रहे थे। और अभिषेक के प्रति आराध्या के इस इशारे ने एक बार फिर बच्चन परिवार में सामंती अफवाहों को हवा दे दी। हम तो बस इतना ही कह सकते हैं कि आग के बिना धुंआ नहीं होता।कथित तौर पर ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की शादी मुश्किल दौर से गुजर रही है। ऐसे कई उदाहरण हैं जो इस बात का संकेत देते हैं कि बच्चन परिवार में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। और अब, जूम की रिपोर्ट के अनुसार, ऐश्वर्या अलग रह रही हैं और बच्चन हाउस जलसा से बाहर चली गई हैं। एंटरटेनमेंट पोर्टल का दावा है कि ऐश्वर्या को बाहर ले जाया गया है और वह अपना समय अपनी मां वृंदा राय और अभिषेक बच्चन के बीच समान रूप से बांट रही हैं। कथित तौर पर ऐश अलग रह रही हैं लेकिन अब तक अपने पति के साथ हैं। जूम का दावा है कि ऐश्वर्या और जया बच्चन के बीच बातचीत नहीं हो रही है और इसी वजह से परिवार में झगड़ा हुआ है।

क्या टूट जाएगी Bachchan Family?

Abhishek ने दिया हैरान कर देने वाला जवाब !

द. अफ्रीका में वनडे रिकॉर्ड सुधारने उतरी टीम इंडिया

जोहानिसबर्ग। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफपिछले पांच वनडे में से दो में जीत हासिल की है। हालांकि, टीम इंडिया को वहां आखिरी जीत 2018 में सेंचुरियन में मिली थी। इसके बाद टीम इंडिया अफ्रीकी सरजमीं पर लगातार तीन वनडे हार चुकी है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आज से तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत हो गई है। पहला मुकाबला जोहानिसबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में खेला जा रहा। यह वनडे विश्व कप 2023 के बाद टीम इंडिया का इस प्रारूप में पहला मुकाबला है। हालांकि, विश्व कप में खेलने वाली टीम से यह टीम काफी अलग है। ज्यादातर पुराने खिलाड़ी टीम में नहीं हैं। उस टीम के सिर्फ तीन खिलाड़ी मौजूदा टीम में शामिल हैं। इनमें कप्तान केएल राहुल के अलावा श्रेयस अय्यर और कुलदीप यादव शामिल हैं। ऐसे में पूरी तरह से नई और युवा दिखने वाली टीम के सामने पुरानी यादों को भुलाकर नई शुरुआत करने पर है। अभी से ही भविष्य की तैयारी में जुटी टीम इंडिया भारत को 2025 में चौंपियंस ट्रॉफी खेलनी है और इसकी तैयारियों को अभी से शुरू करने का बेहतरीन मौका है। वहीं, दक्षिण अफ्रीकी टीम भी अपने कई स्टार खिलाड़ियों के बिना उतरी है। विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तान तेम्बा बावुमा को वनडे टीम में शामिल नहीं किया गया। वहीं, गेराल्ड कोएट्जी और रबाडा भी इस सीरीज में खेलते नहीं दिखेंगे। अफ्रीकी टीम की बॉलिंग लाइन अप भी नई है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिल सकती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में खराब रिकॉर्ड हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की टीम कितनी भी नई हो, उन्हें उनके घर पर वनडे में हराना टीम इंडिया के लिए कभी आसान नहीं रहा है। रिकॉर्ड भी इसकी गवाही देता है। दोनों टीमें अफ्रीकी मैदान पर कुल 37 वनडे खेल चुकी हैं। इसमें से भारत को सिर्फ 10 मैचों में जीत मिली। वहीं, 25 वनडे में दक्षिण अफ्रीका की टीम को जीत मिली। दो मुकाबले बेनतीजा रहे। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफपिछले पांच वनडे में से दो में जीत हासिल की है। हालांकि, टीम इंडिया को वहां आखिरी जीत 2018 में सेंचुरियन में मिली थी। इसके बाद टीम इंडिया अफ्रीकी सरजमीं पर लगातार तीन वनडे हार चुकी है। दोनों टीमों के ओवरऑल वनडे रिकॉर्ड की बात करें तो अब तक कुल 91 वनडे खेले गए हैं। भारत ने 38 और दक्षिण अफ्रीका ने 50 वनडे जीते हैं। तीन मुकाबलों का कोई नतीजा नहीं निकला। पिछली तीन वनडे सीरीज एकतरफा केएल राहुल के नेतृत्व में टीम इंडिया इस बार इतिहास रचने उतरेगी। संयोग से पिछली बार जब भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर गई थी, तब भी राहुल ही वनडे में कप्तानी कर रहे थे। तब टीम इंडिया को अफ्रीकी टीम ने 3-0 से हराया था। राहुल के पास उसका बदला लेने का मौका होगा। क्या रिंकू को मौका मिलेगा? भारत की संभावित प्लेइंग-11 देखने के लिए यहां क्लिक करें... दक्षिण अफ्रीका में इस टीम के खिलाफटीम इंडिया की पिछली तीन वनडे सीरीज एकतरफा रही हैं। दक्षिण अफ्रीका ने 2013-14 में 2-0 और 2021-22 में 3-0 से जीत दर्ज की थी, जबकि भारत ने 2017-18 में 5-1 से जीत दर्ज की थी। कुलदीप यादव (13.88 की औसत से 17 विकेट) और युजवेंद्र चहल (22.72 की औसत से 18 विकेट) के नाम दक्षिण अफ्रीका में शानदार वनडे रिकॉर्ड हैं। शुभमन गिल, जिन्हें टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए वनडे सीरीज से आराम दिया गया है, उन्होंने एक शानदार वनडे रिकॉर्ड बनाने का मौका खो दिया है। उन्होंने 2023 का अंत वनडे में 63.36 की औसत से 1584 रन के साथ किया। तीन और पारियों में वह सचिन तेंदुलकर के 1998 के एक साल में सबसे ज्यादा 1894 वनडे रन के रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका गंवा दिया। हम भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका पहले वनडे मैच के लाइव टेलीकास्ट से जुड़ी सारी जानकारी आपको यहां दे रहे हैंरू भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका पहला वनडे मैच कब खेला जाएगा? भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला रविवार (17 दिसंबर) को खेला जाएगा। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका पहला वनडे मैच कहां खेला जाएगा? भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैच की सीरीज का पहला मुकाबला जोहानिसबर्ग के न्यू वांडरर्स स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका पहला वनडे मैच कितने बजे शुरू होगा? भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला वनडे मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर डेढ़ बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर एक बजे होगा। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका पहला वनडे मैच भारत में किस टीवी चौनल पर देख सकते हैं? भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले वनडे मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा। यहां आप अलग-अलग भाषाओं में मैच का आनंद ले सकते हैं। डीडी फ्री डिश इस्तेमाल करने वाले दर्शक डीडी स्पोर्ट्स पर फ्री में मैच देख सकते हैं। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका पहले वनडे मैच की लाइव स्ट्रीमिंग कहां उपलब्ध होगी? भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला वनडे मुकाबला आप ऑनलाइन हॉटस्टार एप पर देख सकते हैं। मोबाइल पर आप फ्री में मैच देख सकेंगे। वहीं, लैपटॉप या स्मार्ट टीवी पर मैच देखने के लिए आपको सब्सक्रिप्शन की जरूरत होगी। इसके साथ ही इस सीरीज से जुड़ी खबरें उतनरंसं.बवउ पर पढ़ सकते हैं।दोनों टीमें इस प्रकार हैं दक्षिण अफ्रीकारू रीजा हेंड्रिक्स, टोनी डी जोरजी, रसी वान डर डुसेन, एडेन मार्करम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), डेविड मिलर, एंडिले फेहलुकवायो, केशव महाराज, नंद्रे बर्गर, तबरेज शम्सी, लिजाड विलियम्स, वियान मुल्डर, ओटनील बार्टमैन, मिहलाली मपोंगवाना, काइल वेरेन। भारतरू रजत पाटीदार, साई सुदर्शन, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (कप्तानध्विकेटकीपर), रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, आवेश खान, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, युजवेंद्र चहल, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, आकाश दीप।

टेस्ट में विकेटकीपिंग के लिए तैयार हैं केएल राहुल, रिंकू के वनडे पदार्पण का संकेत दिया

उन्होंने कहा, ''हम वनडे में कैसा खेलना चाहते हैं, इसमें ज्यादा कुछ नहीं बदलेगा। लेकिन एक नये खिलाड़ी से आते ही यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह वही भूमिका निभाये जो रोहित शर्मा और विराट कोहली ने विश्व कप में निभायी थी। ध्यान अब टी20 विश्व कप है जो आने ही वाला है इसलिये ध्यान इसी पर लगा होगा।

केएल राहुल वनडे में विकेटकीपिंग जारी रखेंगे और उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट में उन्हें स्टंप के पीछे की जिम्मेदारी उठाने के लिए कहा जाता है तो उन्हें इससे गुरेज नहीं होगा। नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए ब्रेक लिया है जिसके बाद राहुल वनडे टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। इस स्टाइलिश दायें हाथ के बल्लेबाज ने संकेत दिए कि टी20 श्रृंखला में शानदार जज्बा और तकनीक दिखाने वाले रिंकू सिंह को वनडे पदार्पण का मौका दिया जा सकता है। यह पूछने पर कि क्या वह रविवार से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे तो राहुल ने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, ''हां, मैं विकेटकीपिंग करूंगा और मध्यक्रम में बल्लेबाजी करूंगा। और इसके बाद टेस्ट मैचों में भी विकेटकीपिंग करने में खुशी होगी।'' राहुल ने मैच पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''मैं हमेशा नयी भूमिका निभाने के लिए और टीम जो भी भूमिका में मुझे प्रदर्शन करते हुए देखना चाहती हूं, उसके लिए तैयार रहा हूं। अगर प्रबंधन मुझे इसी भूमिका में देखना चाहता है तो मुझे इसमें खुशी होगी।'' उन्होंने साथ ही यह भी संकेत दिया कि फिलहाल संजू सैमसन को पांचवें नंबर के विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा है। हैमस्ट्रिंग चोट और फिर सर्जरी के कारण राहुल 2023 के ज्यादातर हिस्से में खेल से दूर रहे लेकिन अब बेंगलुरु का यह खिलाड़ी अब कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहता है। राहुल ने कहा, ''मैं देश के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच खेलना चाहता हूं। चोटों के कारण मैं कई मुकाबलों में नहीं खेल पाया इसलिये मैं ज्यादा से ज्यादा मैच खेलना चाहता हूं और मुझसे जिस भी भूमिका की उम्मीद है, वो निभाना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे लिये टीम सबसे आगे है। यह टीम का खेल है तो आपको लचीला होना पड़ेगा और सामंजस्य बिठाना होगा।'' यह पूछने पर कि उत्तर प्रदेश और मध्य क्षेत्र के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले रिंकू सिंह को वनडे में पदार्पण का मौका मिलेगा या नहीं। इस पर उन्होंने कहा, ''हां, मुझे ऐसा लगता है।'' यह पूछने पर कि भविष्य में रिंकू पांचवें या छठे नंबर पर फिट होंगे तो राहुल ने कहा, ''उसने दिखाया है कि वह वाकई बहुत अच्छा खिलाड़ी है। हमने आईपीएल में उसे खेलते देखा कि उसमें कौशल है लेकिन उसने टी20 श्रृंखला में जो जज्बा दिखाया, दबाव में संयम दिखाया, वो देखना अच्छा रहा। मैंने उससे भी यह बात कही।'' राहुल ने कहा, ''वनडे प्रारूप में भी, उसने प्रथम श्रेणी क्रिकेट के सभी प्रारूपों में प्रदर्शन किया इसलिये हां, उसे वनडे श्रृंखला में मौका मिलेगा।'' वह एक और बल्लेबाज बी साई सुदर्शन के बारे में भी बात करते हुए इतने ही उत्साहित थे जिनके भी इस श्रृंखला में सीनियर पदार्पण करने उम्मीद की जा रही है। राहुल ने कहा, ''वह भी काफी अच्छा खिलाड़ी है। टीम में काफी नये खिलाड़ी हैं, लेकिन सभी को मौका दिया जाना शायद मुश्किल है लेकिन इनमें से कई को मौके मिलेंगे।

ल्यूटन के कप्तान को मैदान पर पड़ा दिल का दौरा, हालत स्थिर

लंदन। ल्यूटन के कप्तान टॉम लॉकयर इस साल दूसरी बार दिल का दौरा पड़ने के कारण मैदान पर गिर पड़े जिसके कारण बोर्नमाउथ में खेला जा रहा इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता का मैच रद्द करना पड़ा। ल्यूटन ने बताया कि लॉकयर को तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। उनका परिवार उनके साथ है। वेल्स का यह डिफेंडर मैच के 59वें मिनट मैदान पर गिर पड़ा था। दोनों टीम के खिलाड़ी तुरंत ही उनके पास पहुंचे। ल्यूटन के कोच रॉब एडवर्डस भी तुरंत मैदान में चले गए। वह काफी परेशान दिख रहे थे। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को मैदान पर ही उपचार दिया गया और बाद में उन्हें स्ट्रेचर पर बाहर ले जाया गया। तब तक उनकी स्थिति में थोड़ा सुधार हो गया था। उस समय मैच 1-1 से बराबरी पर था और रेफरी साइमन हूपर ने मैच को रद्द करने का फैसला किया। मैच रद्द किए जाने के बाद भी दर्शक स्टेडियम में मौजूद रहे। वे लॉकयर के समर्थन में नारे लगा रहे थे। ल्यूटन ने बयान में कहा, ''दोनों टीम के प्रशंसकों के प्रति हमें खेद है लेकिन अपने साथी और मित्र के इस तरह से मैदान छोड़ने के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी खेल आगे जारी रखने की स्थिति में नहीं थे।'' लॉकयर इससे पहले मई में वेम्बले स्टेडियम में खेले जा रहे एक मैच के दौरान नीचे गिर पड़े थे। उनके दिल का ऑपरेशन किया गया और बाद में उन्हें खेलना जारी रखने की अनुमति मिल गई थी। इस बीच मैनचेस्टर सिटी ने दो गोल की बढ़त के बावजूद क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ खेला और इस तरह से दो महत्वपूर्ण अंक गंवाए। सिटी का यह अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीसरा मैच था जिसमें उसने अंक बांटे। अन्य मैचों में न्यूकासल ने फुलहम को 3-0 से और चेल्सी ने शैफील्ड यूनाइटेड को 2-0 से हराया।

अफगानिस्तान के खिलाड़ी नवीन उल हक को लगा बड़ा झटका, लगा दिया गया 20 महीने का बैन

नवीन उल हक को बड़ा झटका लगा है. अफगानिस्तान के स्टार पेसर नवीन उल हक पर इंटरनेशनल लीग टी20 ने कॉन्ट्रेक्ट उल्लंघन के मामले में 20 महीनों का बैन लगा दिया है. इंटरनेशनल लीग टी20 में नवीन शाहजाह वॉरियर्स का हिस्सा थे, जिसके साथ उन्होंने कॉन्ट्रेक्ट का उल्लंघन किया. नवीन पहले सीज़न में इंटरनेशनल लीग टी20 खेलते हुए दिखाई दिए थे, लेकिन अब उन पर लीग ने 20 महीनों का बैन लगा दिया है. पहले सीज़न में नवीन ने शारजाह वॉरियर्स के लिए 9 मैचों में 24.36 की औसत से 11 विकेट चटकाए थे. फ्रेंचाइज़ी ने नवीन के साथ एक साल का कॉन्ट्रेक्ट किया था, जिसे टीम ने बढ़ाना चाहा, लेकिन नवीन ने इंकार कर दिया. नवीन का मना करना उन्हें बैन की तरफ ले गया. नवीन पर कॉन्ट्रेक्ट एग्रीमेंट को लेकर बैन लगाया गया. इंटरनेशनल लीग टी20 ने नवीन और शारजाह वॉरियर्स को सुना, जिसके बाद फैसला बैन के ज़रिए किया गया. हाल ही मे भारत की सरज़मीं पर खेले गए वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद नवीन ने वनडे क्रिकेट को अलविदा कह दिया था. हालांकि नवीन ने वर्ल्ड कप से पहले ही इस बात को साफ कर दिया था कि वो टूर्नामेंट के बाद एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे. नवीन ने वनडे को अलविदा कहने के पीछे कारण बताते हुए कहा था कि वो सिर्फ टी20 क्रिकेट खेलन चाहते हैं. नवीन ने अफगानिस्तान के लिए वनडे और टी20 इंटरनेशनल खेला. वनडे को वो अलविदा कह चुके हैं, लेकिन टी20 इंटरनेशनल में उनका खेलना जारी रखा है. अफगानी पेसर ने अपने करियर में 15 एकदिवसीय मुकाबले खेले. इसके अलावा वे 27 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके हैं. वनडे में उन्होंने 32.18 की औसत से 22 विकेट झटके. इसके अलावा टी20 इंटरनेशनल में 20.70 की औसत से 34 विकेट अपने नाम कर लिए हैं.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के नाम दर्ज हुआ ये महारिकॉर्ड

गुरुवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत बना इंग्लैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं इस मैच के दौरान भारतीय महिला टीम टेस्ट पारी में एक दिन में 400 से ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी टीम बन गई है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने सात विकेट के नुकसान पर 410 रन बनाए और दीप्ति शर्मा और पुजा वस्त्राकर नाबाद लौटी हैं। बता दें कि, 2014 के बाद घर पर अपने

पहले टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए भारत ने टॉप और मध्य क्रम के समान योगदान के साथ रनों का ढेर लगाया। डेब्यूटेंट शुभा सतीश 69 और जेमिमा रोड्रिग्स 68 रन बनाए। जबकि तीसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी हुई। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपना सर्वोच्च टेस्ट स्कोर दर्ज किया, लेकिन अजीब तरह से रन आउट होने के कारण वह अपने अर्धशतक से चूक गईं। उनके बाद छठे नंबर पर विकेटकीपर यास्तिका भाटिया ने भी 88 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाकर अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। निचले क्रम की बल्लेबाजों दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने सातवें विकेट के लिए पचास से ज्यादा की साझेदारी करके भारत को 400 रन के पार पहुंचाया। इंग्लैंड के

SPORTS न्यूज़

नोवाक जोकोविच और आर्यना सबालेंका क आईटीएफविश्व चौंपियन पुरस्कार

जोकोविच ने आठवीं बार आईटीएफ विश्व चौंपियन का पुरस्कार किया और यह भी रिकॉर्ड है। सबालेंका ने पहली बार यह पुरस्कार किया। उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में अपन ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। नोवाक जोकोविच और आर्यना सबालेंका सत्र में चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के एकल वर्ग में कम से कम सेमीफ पहुंचने के लिए अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) के 2023 चौंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जोकोविच ने रिकॉर्ड आ एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर काबिज रहते हुए सत्र का अंत किया इस सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के जीतकर अपने कुल ग्रैंडस्लैम खिताब की संख्या 24 पर पहुंच विंबलडन में उपविजेता रहे थे। जोकोविच ने आठवीं बार आईटी चौंपियन का पुरस्कार हासिल किया और यह भी रिकॉर्ड है। सबा पहली बार यह पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलिया के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था।वह अमेरिकी उपविजेता रही जबकि फ्रेंच ओपन और विंबलडन के सेमीफाइनल थी। वह सितंबर में पहली बार अपने करियर में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में पहुंची थी। उन्होंने सत्र का अंत इगा स्वियातेक के बाद दूसरे नंबर हुए किया।

दीपक हुड्डा के 180 रन से कर्नाटक को हराक राजस्थान विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में

हरियाणा ने पांच बार की चौम्पियन तमिलनाडु को 63 रन से पहली बार फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले कर्नाटक के लिये मनोहर ने 91 और मनोज भंडागे ने 63 रन की पारियां खेली। कप्ता हुड्डा के शानदार 180 रन की मदद से राजस्थान ने कर्नाटक को छ से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश कर लिया। हुड्डा गेंद की पारी में 19 चौके और पांच छक्के लगाये। राजस्थान ने जीत 38 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। करण लाम्बा ने हुड्डा का बख निभाते हुए 112 गेंद में नाबाद 73 रन बनाये। राजस्थान ने छठे तीन विकेट सिर्फ23 रन पर गंवा दिये थे जिसके बाद इन दोनों ने चौ के लिये 255 रन जोड़े। राजस्थान का सामना शनिवार को फा हरियाणा से होगा। हरियाणा ने पांच बार की चौम्पियन तमिलनाडु को से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले कन लिये अभिनव मनोहर ने 91 और मनोज भंडागे ने 63 रन की पारिय

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफपहले सरफराज और फिर बाबर ने की एक ही गलती, सोशल मीडिया पर फैंस ने लिए

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफटेस्ट सीरीज में भी यही गलत को मिली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों की टेस्ट खेल रही है। सीरीज का आगाज पर्थ टेस्ट के साथ हुआ है और मैच दिन ही पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने फील्डिंग के दौरान कुछ ऐसी गल हैं, जिनको लेकर मीम्स बन रहे हैं।पाकिस्तान क्रिकेट टीम की फी लेकर कई बार उनका मजाक बनता रहता है। अभी हाल ही में ऑ के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी यही गलती देखने को मिली। पा क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है का आगाज पर्थ टेस्ट के साथ हुआ है और मैच केपहले दिन ही पा खिलाड़ियों ने फील्डिंग के दौरान कुछ ऐसी गलतियां की हैं, जिनक मीम्स बन रहे हैं। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिय ने वैसे ही पाकिस्ती गेंद विकेट लेने के ज्यादा मौके दिए नहीं और जो मोके मिले, उन पर प की ओर से कैच ड्रॉप हुए। खराब थ्रो करना हो या फिर मिसफील्ड लेकर पाकिस्तान की आलोचना हमेशा से होती रही है। पर्थ में खेल मैच के आखिरी दिन पाकिस्तान के दो पूर्व कप्तानों सरफराज अह बाबर आजम ने कुछ ऐसी ही गलती की, जिसका वीडियो देखकर हंसी नहीं रुकेगी। वहीं इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया मजबूत स्थि 64वें ओवर की पहली गेंद थी और आगा सलमान गेंदबाजी कर पहले गेंद को पढ़ने में डेविड वॉर्नर चूके, फिर विकेटकीपर सरफराज गेंद को पकड़ नहीं सके, स्लिप में खड़े पूर्व कप्तान बाबर आजम ने गेंद तो पकड़ी, लेकिन डेविड वॉर्नर को आउठ करने के चक्कर में उन्ह थ्रो मारा कि ऑस्ट्रेलिया के खाते में एक और रन जुड़ गया। ।

अय्यर संभालेंगे केकेआर की कप्तानी, नितीश राणा होंगे उपक

श्रेयस अय्यर केकेआर टीम के कप्तान बने रहेंगे जबकि निती उपकप्तान होंगे। आईपीएल के पिछले सीजन में श्रेयस अय्यर के चो के कारण नितीश को कोलकाता नाइट राइडर्स का कप्तान बनाया केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने घोषणा करते हुए कहा कि श्रेयर टीम के कप्तान बने रहेंगे जबकि नितीश राणा उपकप्तान होंगे। आई पिछले सीजन में श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के कारण नि कोलकाता नाइट राइडर्स का कप्तान बनाया गया था। वहीं केके सीईओ ने कहा है कि, ये वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण था कि श्रेयस अय्यर कारण आईपीएल 2023 से चूक गए। हमें खुशी है कि वह वापस आ और कप्तान के रूप में फिर से चुन रहे हैं। जिस तरह से उन्होंने अ से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की है और जिस तरह का फॉर्म दिखाया है, वह उनके चरित्र का प्रमाण है। हम इस बात के लिए अ कि नीतीश पिछले सीजन में अय्यर की जगह लेने के लिए सहम और उन्होंने शानदार काम किया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उपक रूप में नीतीश केकेआर को हर संभव समर्थन देंगे। वहीं इस प अय्यर ने कहा कि मेरा मानना है कि पिछले सीजन में हमें कई चुनौ सामना करना पड़ा। जिसमें चोट के कारण मेरी अनुपस्थिति भी शा नीतिश ने न केवल मेरे लिए बल्कि अपने सराहनीय नेतृत्व से भी बहु काम किया। मुझे खुशी है कि केकेआर ने उन्हें उपकप्तान बनाया कोई संदेह नहीं है कि उनसे नेतृत्व और मजबूत होगा।

अडाणी की एईसीटीपीएल में 49 प्रतिशत हिस्से खरीदेगी मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी

एपीएसईजेड की एईसीटीपीएल में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी के अनुसार, मुंद्रा बंदरगाह पर सीटी3 कंटेनर टर्मिनल के लिए संयु के बाद यह टीआईएल के साथ एपीएसईजेड की दूसरी रणनीतिक है। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसई शुक्रवार को कहा कि मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी की सहयोगी कं लिमिटेड 247 करोड़ रुपये में अडाणी एन्नोर कंटेनर टर्मिनल लिमिटेड (एईसीटीपीएल) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण एपीएसईजेड की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस संबंध में ए खरीद समझौते पर 14 दिसंबर 2023 को हस्ताक्षर कि एईसीटीपीएल का कुल उद्यम मूल्य 1,211 करोड़ रुपये है। बयान गया, लेन-देन के लिए अभी विनियामक की मंजूरी की आवश्य लेन-देन के तीन से चार महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। इसके के बाद एपीएसईजेड की एईसीटीपीएल में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी बयान के अनुसार, मुंद्रा बंदरगाह पर सीटी3 कंटेनर टर्मिनल के लि उद्यम के बाद यह टीआईएल के साथ एपीएसईजेड की दूसरी र साझेदारी है। एपीएसईजेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीई पूर्णकालिक निदेशक करण अडाणी ने कहा, '' दुनिया की स शिपिंग कंपनी (एमएससी) के साथ हमारा सहयोग पारदर्शी व्या दृष्टिकोण के जरिए क्षेत्रीय विकास में तेजी लाने की एपीएसईजेड के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मूर्ति ने अपने बारे में फेक न्यूज को लेकर चिं जताई, जनता से सतर्क रहने को कहा

इनमें दावा किया गया है कि मैंने स्वचालित ट्रेडिंग ऐप का समर्थ है या उनमें निवेश किया है। इन ऐप के नाम बीटीसी एआई इवेक्स

रीवा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का होगा एक्सटेंशन

पर्याप्त स्टाफ की उपलब्धता के उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने दिए निर्देश

पुष्पांजली टुडे

रीवा। सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल विंध्य क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की लाइफलाइन है। यह पूरे क्षेत्र को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है। विंध्य क्षेत्र की बढ़ती स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सुपर-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का विस्तार समय की माँग है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने विधानसभा में आवंटित कक्ष में विशेष बैठक में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल रीवा के एक्सटेंशन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सुपर

स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का चिकित्सकीय स्टाफ पूरी मेहनत और लगन से कार्य कर रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवस्थित चिकित्सकीय सेवाएँ प्रदान करने के लिए बढ़ती स्वास्थ्य माँग अनुसार चिकित्सकीय स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ़ और पर्याप्त मात्रा में आउटसोर्स सहयोगी स्टाफ़ की संख्या में वृद्धि करने की कार्यवाही करें। जिससे क्षेत्र के नागरिकों को सुवस्थित रूप से स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय किया जा सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयार प्रस्ताव की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मो. सुलेमान, आयुक्त स्वास्थ्य शिक्षा श्री गोपाल चन्द्र डाड, संचालक प्रोजेक्ट डॉ जितेंद्र शुक्ला, संचालक स्वास्थ्य शिक्षा श्री ए.के. श्रीवास्तव सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

किसानों से उपार्जन की व्यवस्थाओं के बारे में की चर्चा

पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सेमरिया तहसील के गुणवती वेयर हाउस हिनौता, रेवांचल एवं विन्ध्यांचल वेयरहाउस गोदहा का निरीक्षण किया तथा उपार्जन केन्द्र में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान निर्देश दिए कि किसानों से उपार्जित की जा रही धान का परिवहन कराया जाए तथा उपार्जन केन्द्र में किसानों को दिक्कत न हो इसलिए आवश्यक व्यवस्थाएं करें। जिस दिन किसान खरीदी केन्द्र में अपनी धान लेकर आए उसी दिन उसकी धान तौलने की व्यवस्था सुनिश्चित हो ताकि उसे रात में रूकना न प?। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्र में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था

करने तथा शेड एवं पीने की पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बारदानों की उपलब्धता, तौल-काँटे तथा हम्माल व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उपार्जन कार्य में संलग्न समितियों को निर्देश दिए कि आगामी 10 दिनों तक ज्यादा मात्रा में धान उपार्जन केन्द्रों में आएगी अत~ ऐसी व्यवस्था बनाएं कि उसी दिन सभी किसानों की धान तौल जाए। उन्होंने इस दौरान खरीदी केन्द्र में उपस्थित किसानों से चर्चा करते हुए उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाओं एवं अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। किसानों ने कलेक्टर को बताया कि अभी तक सभी केन्द्रों में उसी दिन हमारी धान की खरीदी हो रही है। इस दौरान अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर रामनिवास सिकरवार सहित उपार्जन से जु? विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कालेज के हीरक जयंती समारोह में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल होंगे मुख्य अतिथि

कलेक्टर ने तैयारियों का किया निरीक्षण

पुष्पांजली टुडे

रीवा। श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय के 60 वर्ष पूरा होने पर आगामी 23 एवं 24 दिसम्बर को हीरक जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल होंगे। कार्यक्रम आयोजन की तैयारियाँ तेजी से जारी हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने मेडिकल कालेज पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया तथा मेडिकल कालेज के विस्तारित भवन के लोकार्पण स्थल में राज्यपाल महोदय के कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के विषय में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत डॉ सौरभ सोनवणे, डीन मेडिकल कालेज डॉ मनोज इंदुलकर, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, डॉ यत्नेश त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर रामनिवास सिकरवार सहित व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे

विकसित भारत संकल्प यात्रा आज चिरहुला मंदिर तथा निपनिया स्कूल में भ्रमण करेगी

पुष्पांजली टुडे

रीवा। . विकसित भारत संकल्प यात्रा आज 19 दिसम्बर को रीवा नगर पालिक निगम क्षेत्र के जोन क्रमांक चार व जोन क्रमांक एक में भ्रमण करेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चिरहुला मंदिर पार्किंग में प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा निपनिया स्कूल के पास दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जाएग

लाउड स्पीकरों के अवैध उपयोग पर लगातार की जा रही कार्यवाही

पुष्पांजली टुडे

रीवा। शासन द्वारा ध्वनि प्रदूषण रोकने के संबंध में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का कठोरता से पालन कराया जा रहा है। डीजे संचालक लाउडस्पीकर चलाने वालों तथा धर्मगुरूओं को इस संबंध में लगातार समझाइश दी जा रही है। साथ ही लाउड स्पीकरों के अवैध उपयोग पर कार्यवाही भी की जा रही है। इस संबंध में एसडीएम हुजूर डॉ अनुराग तिवारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों में दिन में 75 डेसीबल तथा रात में 17 डेसीबल, बाजारों में दिन में 65 डेसीबल तथा रात में 55 डेसीबल, रिहायशी क्षेत्रों में दिन में 55 डेसीबल तथा रात में 45 डेसीबल एवं अस्पताल, शिक्षण संस्थान तथा अन्य घोषित शांत क्षेत्रों में दिन में 50 डेसीबल एवं रात में 40 डेसीबल से अधिक का शोर मान्य नहीं होगा। इससे अधिक आवाज पाए जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस क्रम में जामा मस्जिद छोटी दरगाह रीवा में प्रशासनिक अमले द्वारा कार्यवाही करके अधिक आवाज वाले लाउड स्पीकर हटवाए गए। एसडीएम ने आमजनता से ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग करते समय शासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल ने दिए निर्देश ,सीएम हेल्पलाइन के लंबित पत्रों का निराकरण कर प्रतिवेदन दें ,सीएम हेल्पलाइन के डी श्रेणी के सभी विभाग 7 दिन में इससे बाहर आएं

विकसित भारत संकल्प यात्रा की जानकारी प्रतिदिन ऑनलाइन दर्ज करें

पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि कई विभागों में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। कार्यालय प्रमुख लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जो विभाग डी श्रेणी में हैं उनके प्रभारी अधिकारी लंबित आवेदनों का सात दिवस में निराकरण करके विभाग को इस श्रेणी से बाहर लाएं। महिला एवं बाल विकास विभाग, पीएचई, स्वास्थ्य विभाग, अग्रणी बैंक प्रबंधक, आदिमजाति कल्याण विभाग, जल संसाधन विभाग, शिक्षा विभाग, पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, पेंशन विभाग तथा ऊर्जा विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। सभी अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करें। कलेक्टर ने कहा कि शासन की उच्च प्राथमिकता की विकसित भारत संकल्प यात्रा जिले भर में लगातार जारी है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में 12 प्रचार वाहन प्रतिदिन दो स्थानों पर आमजनता को योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। हितग्राहियों को विभिन्न विभागों की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इन कार्यक्रमों में चिकित्सा शिविर अनिवार्य रूप से लगाकर प्रतिदिन ऑनलाइन प्रतिवेदन दर्ज कराएं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संकल्प यात्र की मॉनीटरिंग के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की तैनाती करें। सभी कार्यालय प्रमुख संकल्प यात्रा के दौरान

लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी एवं फोटो संभागीय जनसंपर्क कार्यालय को उपलब्ध कराकर उसका प्रचार-प्रसार कराएं। कलेक्टर ने कहा कि एसडीएम संकल्प यात्रा तथा धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर इसकी मानीटरिंग करें। राजस्व विभाग तथा जाति प्रमाण पत्र से संबंधित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण करने के लिए तहसील स्तर पर शिविर लगाएं। भू-अर्जन तथा भूमि अधिग्रहण के प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत करें। अधीक्षण यंत्री विद्युत मंडल तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास आंगनवाड़ी केन्द्रों में विद्युत कनेक्शन की सात दिवस में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सभी कार्यालय प्रमुख पेंशन प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र तथा अग्रणी बैंक प्रबंधक स्वरोजगार योजनाओं के लंबित प्रकरणों को स्वीकृत कराकर इनका वितरण कराएं जिससे योजनाओं की शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति हो सके। एसडीएम ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बनाए गए अमृत सरोवरों को खसरे में दर्ज करा दें जिससे उनमें मछली पालन के प्रकरण बन सकें। कलेक्टर ने विकसित भारत संकल्प यात्रा में सौंपे गए दायित्व का निर्वहन न करने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। न्यायालयीन प्रकरणों में जवाबदावा प्रस्तुत न करने पर जिला शिक्षा अधिकारी को भी वेतन वृद्धि रोकने का नोटिस देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को न्यायालय में लंबित सभी प्रकरणों में सात दिवस की समय सीमा में जवाबदावा अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, सहायक कलेक्टर सोनाली देव, सभी एसडीएम तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री यादव ने दिए डीजीपी को जांच के आदेश, कहा-डकैती की धारा न्यायोचित नहीं

ग्वालियर । पीके विश्वविद्यालय के कुलपति की मदद के लिए हाइकोर्ट जज की कार छीनने वाले छात्रों पर डकैती की धारा में एफआइआर के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहा है। शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव छात्रों के समर्थन में आ गए। मुख्यमंत्री ने डीजीपी सुधीर सक्सेना को जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री का कहना है- पुलिस द्वारा युवकों पर की गई कार्रवाई और घटना की जांच करवाई जाए। छात्रों पर डकैती की धारा लगाना न्यायोचित नहीं लगता, क्योंकि वह आपराधिक पृष्ठभूमि के नहीं हैं।इससे पहले शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मप्र उच्च न्यायालय की जबलपुर खंडपीठ के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर प्रकरण वापस लेकर क्षमा करने का अनुरोध किया था। इसके बाद अब मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव छात्रों के समर्थन में नजर आए। मुख्यमंत्री यादव ने डीजीपी को निर्देश दिए कि छात्रों द्वारा मानवीय दृष्टि से सही कार्य किया गया, लेकिन यह सही है युवकों का तरीका लगत था। यह मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा मामला है। इसलिए संपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए जांच के पश्चात न्यायपूर्ण कार्रवाई किया जाना उचित होगा। इसके चलते जांच का निर्णय लिया गया है। यह था मामला. पीके यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो.रणजीत सिंह यादव दक्षिण एक्सप्रेस के एस-2 कोच में 9 नंबर सीट पर सफर कर रहे थे। वह दिल्ली से ट्रेन में सवार हुए थे। रास्ते में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। इसी कोच में सफर कर रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता सफर कर रहे थे। इन्होंने मदद की। ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर इन्हें उतारा, लेकिन एंबुलेंस न आने पर प्लेटफार्म-एक के बाहर खड़ी हाइकोर्ट जज संजीव एस कालगांवकर की कार ड्राइवर से चाबी छीनकर ले गए। प्रो.यादव को अस्पताल ले गए, यहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पड़ाव थाना पुलिस ने जीआरपी सिपाही राकेश सेंगर की शिकायत पर छात्रों पर डकैती का केस दर्ज किया। पुलिस ने हिमांशु श्रोतिय और सुकृत शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पुलिस के विरोध में उतरे। तब से लगातार इस घटना में छात्रों पर हुई कार्रवाई का विरोध हो रहा है। अस्पताल के बंदी वार्ड में भर्ती हैं दोनों छात्र इस मामले में पड़ाव पुलिस ने जिन दो छात्रों को गिरफ्तार किया था, इनकी तबियत बिगड़ गई। इन दोनों को ही बंदी वार्ड में भर्ती किया गया है। यहां इनका इलाज चल रहा है। गिरफ्तारी के बाद ही इन्हें तबियत बिगड़ने पर यहां शिफ्ट किया गया था। एसएसपी बोले- जिन बिंदुओं पर डीजीपी निर्देश देंगे जांच होगी एसएसपी राजेश सिंह चंदेल से मुख्यमंत्री यादव के डीजीपी को दिए गए निर्देश को लेकर चर्चा की गई तो उनका कहना है- इस मामले में डीजीपी जिन बिंदुओं पर निर्देश देंगे, उन पर जांच होगी। अभी इसे लेकर निर्देश नहीं आए हैं।परिस्थितिजन्य साक्ष्य जुटाएगी पुलिस, इसमें छात्रों को मिल सकती है मदद कानून के जानकार कहते हैं- गुड सेमेरेटिन ला इसलिए ही बनाया गया था, जिससे किसी घायल और बीमार या संकट में पड़े ऐसे व्यक्ति की मदद के लिए लोग पीछे न हटें। यह ला उनके अधिकारों की रक्षा करता है। पुलिस इस मामले की जांच करेगी। इसमें छात्रों को मदद मिल पाना तभी संभव है- जब परिस्थितिजन्य साक्ष्य बारीकी से जुटाए जा सकें। जानकार कहते हैं- अपराध हमेशा उद्देश्य से होता है। अपराध में उद्देश्य ही देखा जाता है। इस प्रकरण में कहीं भी ऐसा नजर नहीं आता, जिसमें छात्रों का उद्देश्य अपराध करना हो। इसे स्थापित करने के लिए पुलिस को शुरुआत से परिस्थितियां क्या बनी, इसका विस्तृत विश्लेषण, जानकारों की राय और सबूत जुटाने होंगे। किन परिस्थितियों में यह स्थिति बनी, छात्रों को कार छीनने की जरूरत पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान। अगर परिस्थितिजन्य साक्ष्य बेहतर तरीके से संकलित होते हैं तो छात्रों को मदद मिल सकती है।

जवा विकासखण्ड के ग्राम दादर में आयोजित हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा

आमजनता शासन की योजनाओं का लाभ उठाए - अध्यक्ष जिला पंचायत

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही है। इस क्रम में जवा विकासखण्ड के ग्राम दादर में संकल्प यात्रा आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल ने कहा कि राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार द्वारा प्रत्येक गरीब परिवार के लिए जन्म से जीवनपर्यन्त योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। हितग्राही अपनी पात्रता के अनुसार शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। जलजीवन मिशन से लाखों घरों में नल से पीने का पानी पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना से शहरों और गांवों में एक लाख से अधिक परिवारों को जिले में पक्के मकान मिले हैं। इसी तरह आयुष्मान योजना से हजारों गरीबों को बड़े अस्पतालों में अपना इलाज निश्शुल्क कराने की सुविधा मिली है। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष ने 32 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से हितलाभ का वितरण किया। शिविर में जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नागेन्द्र सिंह ने

विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में लगभग आठ सौ हितग्राही शामिल हुए। संकल्प यात्रा के दौरान मोदी की गारंटी प्रचार वाहन से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना, जनधन योजना, अटल पेंशन योजना, सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान रीवा विकासखण्ड के ग्राम पुरैनी में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक तथा यूरिया के घोल के छिड़काव का प्रदर्शन किया गया। इसी तरह 17 दिसम्बर को बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा संकल्प यात्रा के दौरान मॉडल स्कूल रीवा में शिविर लगाया गया। शिविर में जनधन योजना, अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर के दौरान 37 हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाए गए। इनमें मुद्रा योजना, अटल पेंशन योजना के हितग्राही शामिल हैं। नगर परिषद सेमरिया में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित शिविर का नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रानी विश्वकर्मा ने शुभारंभ किया। शिविर के साथ राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग ने स्टाल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।

नौनिहालों की अम्लान मुस्कान से गुलज़ार होगा हिंदुस्तान

65 गांव के आठ हजार बच्चों को बांटे गरम वस्त्र, संत और वरिष्ठ समाजसेवियों का किया सम्मान

ग्वालियर।नौनिहालों के चेहरों पर अम्लान (उजली) मुस्कान थिरकेगी तब ही हमारा देश सही मायने में होगा गुलज़ार । इसके लिए समाज को संगठित होकर सेवा के क्षेत्र में आना होगा । इस आशय के उद्गार शीतला माता टीम के मुख्य संयोजक सतेन्द्र सिंह घुरैया ने बेहट मंडी प्रांगण में 65 गांवों के करीब दस हजार लोगों के बीच व्यक्त किए । बेहट मंडी प्रांगण में शीतला माता टीम ने साधु-संतो और वरिष्ठ जनों के सम्मान के साथ पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा के बच्चों को गरम स्वेटर बांटने का विशाल आयोजन किया था । प्रारंभ में शीतला माता टीम के प्रमुख सतेन्द्र सिंह और सरपंच अजमेर सिंह, राजवीर सिंह, नारायण सिंह, रामनाथ, रामसेवक यादव, फूलचंद शाक्य और सूरजभान सिंह (गुनिया चाचा) , उपसंयोजक इंजीनियर सुरेन्द्र सिंह घुरैया ने संत करनदास, संत नारायण दास महाराज की पद अर्चना की । इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवियों और शिक्षकों को शॉल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया । बेहट का मंडी प्रांगण बच्चों की किलकारियों से गूंज रहा था । अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे । यहां संत जनों ने शिक्षा पर जोर दिया और कहा कि शिक्षा ही वह जरिया जो हमें अज्ञान से उबारकर ज्ञान के प्रकाश में आत्म उन्नति का रास्ता दिखा सकती है । ग्रामीण अंचल में अपनी निःस्वार्थ सेवा से विशेष पहचान बना चुके फ़ौजी सतेन्द्र सिंह घुरैया ने कहा कि वे अपने क्षेत्र के सभी बच्चों को निडर निर्भीक और स्वस्थ तथा शिक्षा की ललक से परिपूर्ण देखना चाहते हैं । उन्हें नहीं लगता कि इस कड़कड़ाती ठंड में मात्र आठ हजार बच्चों को स्वेटर मुहैय्या कराना पर्याप्त है । उनका इरादा इस सेवा को निरन्तर बनाए रखना है । संतों के आशीर्वाद से यह सबकुछ सहज संभव है । उल्लेखनीय है कि करोना त्रासदी के समय भी सतेन्द्र सिंह और उनके परिवार ने पचास हजार लोगों के बीच खाद्य सामग्री बांटी वहीं प्रधानमंत्री सहायता कोष में भी पन्द्रह लाख रुपए का दान किया गया । शीतला माता टीम के सेवा कार्य में जिला पंचायत की उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह घुरैया का भी उल्लेखनीय योगदान बना रहता है । प्रियंका सिंह शीतला माता टीम के मुख्य संयोजक सतेन्द्र सिंह घुरैया (फ़ौजी) की सहधर्मिणी है । राजधानी दिल्ली के सुप्रसिद्ध समाजसेवी कुंवर संतोष सिंह ने कड़कड़ाती सर्दी में ग्रामीण बच्चों के बीच विशाल स्तर पर गरम स्वेटर बांटने को महान पुण्य कार्य और एक तरह से देश की अमूल्य सेवा बताते हुए शीतला माता टीम के सभी समर्पित सदस्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की है और सतत् सहयोग का भरोसा दिलाया है ।

यात्री छह और चार्जिंग प्वाइंट दो, कोच में मोबाइल चार्ज करना बन रहा झगड़े की जड़

भोपाल। ट्रेनों के स्लीपर कोच में मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट को लेकर झगड़े तक की स्थिति बनने लगी है। भोपाल रेल मंडल में इन दिनों चार्जिंग प्वाइंट को लेकर शिकायतों में वृद्धि भी हुई है। खासकर स्लीपर कोच में छह सीट पर दो चार्जिंग प्वाइंट होने से लगातार विवाद की स्थिति बन रही है। ऐसे में अगर चार्जिंग प्वाइंट खराब हो तो विवाद और बढ़ जाता है। इसके अलावा रेलवे को सबसे अधिक मिलने वाली शिकायतों में वाशरूम के गंदा होने, पानी न होने और पानी बहने को लेकर होती है।यात्रियों से मिली शिकायत के अनुसार चार्जिंग पाइंट ठीक न होने के कारण पास ही में बने चार्जिंग पाइंट पर मोबाइल चार्ज करने को लेकर यात्रियों के बीच विवाद हो गया। विवाद ट्रेन में अटेंडेंट के आने के बाद ही शांत हो पाया।

रेलवे की वेबसाइट पर शिकायत करने के बाद कुछ समय बाद उसकी मरम्मत कर दी गई। इस तरह की शिकायतें स्लीपर कोच के साथ एसी-3 और एसी-2 कोच से भी आ रही हैं।इस तरह की शिकायत हाल ही में पुणे हमसफर में बी 9 में सफर करने वाले यात्री ने चार्जिंग प्वाइंट काम न करने व वाशरूम गंदा होने की शिकायत की थी। माना जा रहा है कि दिनभर में आठ से दस यात्री मोबाइल चार्जिंग को लेकर शिकायत कर रहे हैं। इसके अलावा वाशरूम में पानी न होने की भी शिकायतें होती रही हैं।नए एसी इकोनामी क्लास में बेहतर सुविधा ट्रेनों में बने एसी के इकोनामी क्लास कोच में चार्जिंग की सुविधा को बढ़ाया गया है। यहां सबसे ऊपर की सीट पर यात्री को यूएसबी पाइंट दिया गया है, जिससे वह अपनी ही सीट पर मोबाइल चार्ज कर सकता है। वही सभी सीटों पर चार्जिंग प्वाइंट दिया गया है।कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों में पानी की कमी की शिकायतें आ रही हैं, जिसे ट्रेनों में चलने वाले कर्मचारियों द्वारा तत्काल दूर कर दिया जाता है।

तानसेन समारोह की तैयारियों की ग्वालियर कलेक्टर ने की समीक्षा, होंगे कई विशेष आयोजन

ग्वालियर। ग्वालियर में होने वाले प्रतिष्ठित तानसेन समारोह की व्यवस्थाएं उच्च कोटि की होंगी। अधिकारियों को इसको लेकर अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी बांटी है। हर आयोजन से लेकर आने वाले कलाकारों के लिए सभी व्यवस्थाएं बेहतर की जाएंगी। वहीं ग्वालियर में 25 दिसंबर से शुरू होने वाले ग्वालियर व्यापार मेला में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। झूला सेक्टर में खासकर अधिकारियों की तैनाती की गई है।सोमवार को कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने टीएल बैठक में तानसेन समारोह और मेला आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। समारोह की सभी गतिविधियों की तैयारियां उच्चकोटि की हों। संबंधित एसडीएम एवं जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर तानसेन समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दें। उन्होंने कहा कि समारोह में प्रस्तुतियां देने आ रहे मूर्धन्य कलाकारों के आवास, परिवहन व भोजन इत्यादि की व्यवस्थाओं को सभी एसडीएम अनिवार्यत- देखें।तानसेन समारोह में जोड़ी गईं नई गतिविधियों मसलन तानसेन संगीत महफिल, ताल दरबार इत्यादि के आयोजन स्थलों को संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से देख लें और यदि व्यवस्था में कोई कमी हो तो उसे दूर कराएं। ग्वालियर व्यापार मेले की तैयारियों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने संबंधित एसडीएम व अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले के झूला सेक्टर में बच्चों व सैलानियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता न हो। झूला सेक्टर शुरू होने के आरंभ में सभी झूलों के सुरक्षा संबंधी प्रमाणपत्र लें। साथ ही हर हफ्ते पुन- जांच कर इसी प्रकार के प्रमाणपत्र लिए जाएं। झूला सेक्टर की तकनीकी अधिकारी नियमित रूप से जांच करते रहें।मेला परिसर में साफ-सफाई एवं दुकानों से अतिक्रमण हटाने के संबंध में भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर सिंह ने आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, पीएम पोषण अभियान, अटल पेंशन, जीवन ज्योति बीमा योजना सहित केंद्र सरकार की अन्य योजनाओं के तहत संकल्प यात्रा के दौरान हुए वितरण की योजनावार समीक्षा की।साथ ही निर्देश दिए कि सरकार की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित कराने के काम में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि आईईसी वैन का पूरा सदुपयोग करें। साथ ही सभी शिविर परिणाममूलक होना चाहिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, अपर कलेक्टर अंजू अरूण कुमार व टीएन सिंह सहित जिले के एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

छात्रों की याचिका पर हाई कोर्ट में आज होगी सुनवाई, सेशन कोर्ट से रद हो चुकी है जमानत

ग्वालियर। पीके यूनिवर्सिटी के कुलपति रणजीत सिंह यादव की जान बचाने के लिए हाइकोर्ट जज की कार छीनने के मामले में गिरफ्तार हुए छात्रों की जमानत याचिका पर सोमवार को हाइकोर्ट में सुनवाई होगी। इससे पहले उनकी जमानत याचिका सेशन कोर्ट से रद्द कर दी गई थी। अब जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होनी है। उधर छात्रों पर डकैती की एफआइआर कर इन्हें गिरफ्तार करने को लेकर छात्र संगठनों से लेकर शिक्षक तक इनके समर्थन में उतर आए हैं।अभाविप ने लगाई है हाईकोर्ट में जमानत याचिकाछात्र हिमांशु श्रोतिय और सुकृत शर्मा को पड़ाव पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। तबियत बिगड़ने पर इन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। छात्रों को जमानत देने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से जमानत याचिका लगाई गई थी। इसे सेशन कोर्ट ने इस तर्क के साथ खारिज किया था कि किसी की मदद के लिए बल प्रयोग नहीं किया जा सकता। सेशन कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए परिषद ने दोनों छात्रों की जमानत के लिए

हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मुख्यमंत्री ने डीजीपी को दिए हैं जांच के आदेश- इस मामले में छात्रों के समर्थन में मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव भी उतर आए हैं। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा था। मुख्यमंत्री ने डीजीपी को इस मामले में जांच के आदेश दिए थे। अब ग्वालियर के पुलिस अधिकारियों को सोमवार का इंतजार है।पुलिस करेगी अलग अलग बिंदुओं पर जांचइसके बाद पुलिस अलग-अलग बिंदुओं पर जांच करेगी। इस संबंध में निर्देश डीजीपी कार्यालय से ही आएंगे। प्राचार्य ने कहा- छात्रों का उद्देश्य अपराध करना नहीं था सुकृत शर्मा माधव ला कालेज का छात्र है। माधव ला कालेज की प्राचार्य डा.नीति पाठक ने कहा कि कुलपति की जान बचाने के पवित्र उद्देश्य से छात्रों ने कार्य किया। उनका आशय अपराध करना नहीं था। जान बचाने की जल्दबाजी में उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं था कि वह जो कृत्य कर रहे हैं उसके लिए इतने बड़े संकट में फंस सकते हैं। मानवता की सेवा के लिए ऐसा कदम उठाया, दोनों ही छात्रों का सुनहरा भविष्य है। इसलिए इस मामले को खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा- इस संबंध में पत्राचार भी किया जाएगा।

लड़खड़ाई स्ट्रीट लाइटें ठप होने की ओर,हर बार कंपनी की मनमानी और तमाशा देखते अफसर

ग्वालियर ग्वालियर में स्ट्रीट लाइट की समस्या कभी न खत्म होने वाली बीमारी सी बन गई है। हर बार वही रवैया,निगम कंपनी को ठेका देता है वह मनमानी करती है और निगम अफसरों का कोई कंट्रोल नहीं रहता। अंत में ठेका निरस्त करने की ओर मामला चला जाता है। पहले इइएसएल और अब एचपीएल भी उसी राह पर है। सीधी बात जनता की परेशानी से किसी को लेना देना नहीं है। शहर में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी संभाल रही एचपीएल कंपनी ने अंतिम चेतावनी मिलने के बाद भी हालातों में कोई सुधार नहीं किया है। खंबे पर लगी एलइडी के अलावा स्टोर में पड़ी खराब लाइटों में से प्रतिदिन 500 सुधारी जानी हैं, लेकिन कंपनी 150 लाइटों की मरम्मत ही कर पा रही है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि काम में तेजी लाने के लिए कंपनी को 60 लोगों का स्टाफ रखना है, जिसमें 30 लाइनमैन और 30 हेल्पर शामिल हैं। कंपनी ने अभी कुल 28 से 30 लोगों का स्टाफ ही रखा है।इसके अलावा चार हाइड्रा और 12 छोटे वाहनों में से भी सिर्फ दो हाइड्रा और चार गाड़ियां लगाई हैं। गत 20 नवंबर को कंपनी को अंतिम चेतावनी के साथ एक माह का समय दिया गया था, जिसे समाप्त होने में अब सिर्फ तीन दिन शेष हैं। अब नगर निगम और स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन के अधिकारी कंपनी के डायरेक्टर को बुलाकर चर्चा करने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं संभावना जताई जा रही है कि कंपनी का ठेका टर्मिनेट भी किया जा सकता है, क्योंकि काम संभालने के बाद से कंपनी लगातार अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन कर रही है। कई चेतावनी देने के बाद भी व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हो पा रहा है। शहर के कई इलाकों में अब भी स्ट्रीट लाइट की समस्या बनी हुई है। कई स्थानों पर सिर्फ हाथ लगाने भर से लाइटें चालू हो जाती हैं, तो वहीं दो-चार दिन बाद फिर से बंद हो जाती हैं। कई मुख्य मार्गों पर रात के समय अंधेरा पसरा रहता है।

तानसेन समाधि पर सात दिन गूंजेंगे सुर–ताल

ग्वालियर.। शहर में पूरे एक सप्ताह उत्सव सा माहौल रहेगा। विश्व संगीत समागम अखिल भारतीय तानसेन समारोह की शुरुआत 24 दिसंबर से होगी। 28 दिसंबर तक चनने वाले इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में देश-विदेश से आए संगीतप्रेमी सुर लहरियों के साथ शहर एवं आसपास का पर्यटन भी देख सकेंगे। इसके लिए पर्यटन विकास निगम ने आइटनरी तैयार की है। संस्कृति मंत्रालय ने रविवार को तानसेन समारोह का कैलेंडर जारी किया, जिसमें 24 दिसंबर से 28 दिसंबर तक होने वाली 9 सभाओं में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों के नाम जारी किए। इसके पूर्व 22 दिसंबर को शहर के 15 स्थानों पर होने वाली संगीत सभाओं के कलाकारों के नाम जारी किए।तानसेन समारोह के दौरान ही 27 दिसंबर को बटेश्वर में भी सभा होगी। इसमें मुरैना की एकता जैन का गायन, इंदौर के आचार्य दिव्येश गोस्वामी का पखावज व दिल्ली के पं राजेन्द्र प्रसन्न का बांसुरी वादन होगा। मुख्य स्थल की हर सभा का शुभारंभ ग्वालियर के महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं के ध्रुपद गायन से होगा। इसके बाद देश के प्रख्यात वरिष्ठ कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। सभाओं में विश्व संगीत के साथ पद्मश्री कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया है। समारोह के अंतिम दिन 28 दिसंबर को सुबह की सभा बेहट में और शाम की सभा गूजरी महल में होगी। सुबह की सभा का समय सुबह 10 बजे से और शाम की सभा का समय शाम 6 बजे से होगी।तानसेन समारोह से पूर्व 23 दिसंबर को शाम 7 बजे इंटक मैदान में गमक होगा। इसमें मुंबई की सूफी गायिका रिचा शर्मा परफार्म करेंगी। 24 दिसंबर को सुबह 10 बजे से हरिकथा और मीलाद के साथ तानसेन समारोह का शुभारंभ होगा। शाम की सभा में तानसेन सम्मान से पं गणपि भट्ट हासणगि को सम्मानित किया जाएगा। वहीं राजा मानसिंह तोमर सम्मान मालव लोक कला केन्द्र उज्जैन को दिए जाएंगे। ये दोनों ही पुरस्कार 2022 के हैं।26 दिसंबर को किला स्थित कर्ण महल के समीप च्ताल दरबारज् कार्यक्रम होगा। इसमें 1500 तबला वादक सामूहिक प्रस्तुति देंगे। इसमें छात्र, नवोदित कलाकार, वरिष्ठ कलाकार, रिसर्चर प्रस्तुति देंगे। वादी संवादी कार्यक्रम में पुणे व इंदौर के वक्ता देंगे व्याख्यान- राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में 26 दिसंबर को दोपहर 3 बजे से वादी संवादी कार्यक्रम होगा। इसमें पुणे से पं रघुनंदन पणशीकर गान सरस्वती किशोरी अमानकर का योगदान और जयपुर घराना पर व्याख्यान देंगे। इसी प्रकार 27 दिसंबर को दोपहर 3 बजे से भोपाल के विनय उपाध्याय एवं डा स्नेहा कामरा राम कथा- संगीत के प्रमुख रागों के आत्मपरक विवेचन पर एकाग्र पुस्तक पर सोदाहरण व्याख्यान देंगे। वहीं इंदौर की कल्पना झोकरकर सप्त सूरन के भेद राग संगीत के अलग-अलग प्रकारों पर व्याख्यान देंगे।तानसेन समारोह स्थल पर रंग संभावना एवं कार्यशाला का आयोजन 24 दिसंबर से 27 दिसंबर तक होगा। साथ ही कला प्रदर्शनी का आयोजन 22 व 23 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक जय विलास पैलेस में होगी।

अयोध्या तक विशेष ट्रेनें चलाने की तैयारी में रेलवे

ग्वालियर. । अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के उद्घाटन के लिए रेलवे द्वारा विशेष रूप से 100 से अधिक ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसमें दिल्ली, मुंबई, चैन्नई, बैंगलुरु, पुणे, कोलकाता, नागपुर, लखनऊ सहित अन्य शहरों से विशेष ट्रेनें अयोध्या के लिए चलाई जाएंगी। ग्वालियर से अभी अयोध्या के लिए सिर्फ एक साप्ताहिक ट्रेन का संचालन होता है, जबकि यहां से कई लोग अयोध्या जाने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि अयोध्या के लिए रेलवे ग्वालियर से भी विशेष ट्रेन चला सकता है।

आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान भगवान राम अपने भव्य महल में विराजमान होंगे। 500 साल के इंतजार के बाद रामलला अपने दिव्य महल में विराजमान होंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। वहीं भारतीय रेलवे भी इसके लिए खास तैयारी कर रहा है। नवनिर्मित राम मंदिर उद्घाटन के

पहले 100 दिनों के दौरान राम भक्तों की सुविधाओं को देखते हुए रेलवे ने देश के अलग-अलग हिस्सों से अयोध्या के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना बना रहा है। इन ट्रेनों का संचालन 19 जनवरी 2024 से शुरू होने वाला है। भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के एक दिन बाद यानी 23 जनवरी 2024 से मंदिर आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इन ट्रेनों के माध्यम से राम नगरी अयोध्या को दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, पुणे, कोलकाता, नागपुर, लखनऊ और जम्मू समेत कई प्रमुख शहरों से जोड़ा जाएगा, जिससे भक्तों के लिए सफर आसान हो जाएगा। जानकारी के मुताबिक मांग बढ़ने पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। ग्वालियर से भी अयोध्या के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जा सकती है। इसके लिए रेलवे विचार कर रहा है, क्योंकि ग्वालियर से अयोध्या जाने के लिए सूरत-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस चलती है, जो सप्ताह में सिर्फ एक दिन ही है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478